राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार, 26 फ़रवरी–2022 वर्ष–4,अंक–394 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूक्रेन से वतन लौटेंगे नागरिक

भारत सरकार उठाएगी खर्च, रोमानिया और हंगरी के रास्ते निकासी मार्ग स्थापित करने के लिए काम जारी

नई दिल्ली। यूक्रेन पर रूस के ओर से की गई सैन्य कार्रवाई के बीच हजारों की तादाद में भारतीय नागरिक वहां फंसे हैं। युद्ध के चलते सुरक्षा के मद्देनजर यूक्रेन ने अपना हवाई क्षेत्र को नागरिक विमानों के लिए बंद कर दिया गया है। भारतीय सरकार लगातार अपने नागरिकों को वापस लाने के लिए वैकल्पिक रास्ते पर विचार कर रही है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक सरकार यूक्रेन में भारतीय नागरिकों के लिए निकासी उड़ानों की व्यवस्था करेगी। इस मिशन में आने वाले तमाम खर्चे को सरकार वहन करेगी। वहीं यूक्रेन स्थित भारतीय दूतावास ने अपने नागरिकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। इसमे बताया गया है कि युद्ध के बीच फंसे भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए सरकार रोमानिया और हंगरी से निकासी मार्ग स्थापित करने के लिए काम कर रही है। साथ ही बताया जा रहा है कि यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए एयर इंडिया शुक्रवार को रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट के लिए दो उड़ानें संचालित करने की योजना बना रही है। जानकारी के मुताबिक सड़क मार्ग से यूक्रेन-रोमानिया सीमा पर पहुंचने वाले भारतीय नागरिकों को भारत सरकार के अधिकारी बुखारेस्ट ले जाएंगे। ताकि उन्हें एयर इंडिया की उड़ानों के जरिए उनकों सुरक्षित बाहर निकाला जा सके। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक एयर इंडिया की दो उड़ानें शनिवार को बुखारेस्ट से रवाना होंगी। अनुमान के मुताबिक 20 हजार से ज्यादा भारतीय नागरिक यूक्रेन में फंसे हुए हैं। इनमें मुख्य रूप से भारतीय छात्र हैं, जो वहां रहकर पढ़ाई कर रहे थे। यूक्रेन की राजधानी कीव और रोमानियाई सीमा के बीच की दूरी लगभग 600 किलोमीटर है। सड़क मार्ग से इस दूरी को तय करने में करीब 8.5 से 11 घंटों तक का वक्त लगता है।

दिल्ली : हटेंगे कोरोना प्रतिबंध

नई दिल्ली। देश की राजधानी में दिल्ली में कोरोना के सुधरते हालात और घटते संक्रमण दर को देखते हुए दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने शुक्रवार को कई अहम फैसले किए हैं। इनमें सबसे प्रमुख ये है कि अब दिल्ली की संक्रमण दर एक प्रतिशत रह गई है ऐसे में कोरोना संबंधित सभी प्रतिबंध हटाए जा रहे हैं। इसके साथ ही आने वाले सोमवार यानी 28 फरवरी से नाइट कर्फ्यू की व्यवस्था भी खत्म हो जाएगी। बीते दो साल से हाइब्रिड मोड पर चल रही स्कूली कक्षाएं भी 1 अप्रैल से ऑफलाइन ही चलेंगी। एक अप्रैल से ऑनलाइन क्लास की व्यवस्था खत्म कर दी जाएगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जानकारी दी कि, डीडीएमए ने अपनी बैठक में राजधानी के सुधरते हालात, लोगों की तकलीफों और नौकरी जाने के कारण पेश आई परेशानियों को ध्यान में रखते हुए दिल्ली से सभी कोरोना प्रतिबंधों को हटाने का फैसला लिया है। एक अप्रैल से सभी स्कूल सिर्फ ऑफलाइन मोड में ही चलेंगे। इसके साथ ही मास्क न पहनने के लिए फाइन को घटाकर अब 500 रुपये कर दिया गया है। बैठक में ये भी फैसला हुआ है कि प्रतिबंध तो हट जाएंगे लेकिन सभी को कोविड संबंधी उचित व्यवहार करना होगा और सरकार भी इस पर पूरी निगरानी रखेगी।

तुष्टिकरण करने वालों का मुंह तोड़ दो: अपर्णा यादव

देवाशरीफ। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल होने के बाद से मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव भगवा दल के प्रत्याशियों के लिए समर्थन जुटा रही हैं। गुरुवार को बाराबंकी में अर्पणा यादव की जनसभाओं में जबरदस्त भीड़ देखने को मिली। इस दौरान उन्हें मुख्यमंत्री की तारीफ करते की और युवाओं में जोश भरते हुए कहा कि प्रदेश गुण्डाराज सीएम योगी ने खत्म कर दिया है। इसलिए भाजपा प्रत्याशियों को जिताकर विधानसभा भेजें। उदवतपुर गांव में भाजपा की एक जनसभा को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह की बहू और भाजपा नेता अर्पणा यादव ने नवाबगंज की भाजपा प्रत्याशी डॉ. रामकुमारी मौर्या को भारी मतों से जिताने की अपील करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार चलती रहेगी, हम लड़ेंगे हनुमान की तरह और जीतेंगे राम की तरह। उन्होंने महिलाओं का आह्वान किया कि आप लोग मतदान के दिन किचन में ताला लगा कर मतदान करें। पुरुषों से कहें खाना तभी मिलेगा जब मतदान करके आओगे। फतेहपुर संवाद के अनुसार निंदूरा की जनसभा में भाजपा नेता अपर्णा यादव ने जुटी भीड़ में जोश भरते हुए कहा कि यूपी में का बा, यूपी में सिर्फ बाबा, सिर्फ बाबा बा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के गुंडे यह कहकर जेल चले गए कि अब न करैयिबे बेल, हम तो जयिबे जेल। भाजपा युवाओं की भीड़ से उत्साहित अपर्णा ने कहा तुष्टीकरण करने वालों को मुंहतोड़ जवाब दो। मुंह तोड़ना भी पड़े तो तोड़ दो। चुनावी महायज्ञ में अपने वोट की आहुति देकर योगी को फिर सीएम बनाना है।

अमेठी पहुंचे राहुल गांधी और प्रियंका गांधी
मोदी सरकार पर जमकर साधा निशाना

अमेठी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने भी अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इन सबके बीच आज राहुल गांधी अपने संसदीय क्षेत्र रहे अमेठी के जगदीशपुर पहुंचे थे। अमेठी में राहुल गांधी ने किसानों के साथ-साथ रोजगार का मुद्दा उठाया और नरेंद्र मोदी के सरकार पर जमकर निशाना साधा। मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा कि पूरा उत्तर प्रदेश जानता है कि भारत के प्रधानमंत्री आकर वोट लेने के लिए कुछ भी बोल जाएंगे। पूरा देश जानता है कि नरेंद्र मोदी ने किसानों की आमदनी दोगुनी करने का वादा किया था और फिर तीन काले कानून लागू किए। उन्होंने कहा कि इन कानूनों का लक्ष्य था, कि जो आज किसानों को मिलता हैं वह उनसे छीनकर भारत के सबसे बड़े 4-5 अरबपतियों को दे दिया जाएं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने

कहा कि जब भाजपा कहती है कि हमारे 70 वर्षों में कुछ नहीं हुआ, तो उनका वास्तव में मतलब था कि इन 70 वर्षों में अंबानी, अदानी के लिए कुछ नहीं हुआ... याद रखें, भारत के सबसे बड़े अरबपति रोजगार नहीं देते। छोटे दुकानदार, व्यापारी और किसान देते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के रोजगार क्षेत्र की रीढ़ को पीएम नरेंद्र मोदी और उनके दोस्तों ने तोड़ा है। आप देखेंगे कि आने वाले समय में इस देश के युवाओं को रोजगार नहीं मिलेगा, आप जितना चाहें, उन्हें पढ़ाएं। कोविड के दौरान किसी ने मेरी नहीं सुनी, लेकिन आपने गंगा में शव देखे। वहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि इन 5 सालों में कितनों को रोजगार मिला है? इन्होंने जो जानबूझकर 12 लाख सरकारी पदों को खाली रखा है उसे हम सबसे पहले भरेंगे। इसकी हमने पूरी लिस्ट बनाई हुई है। इसके अलावा हम 8 लाख नए रोजगार देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें आवारा पशुओं की समस्या के बारे में नहीं पता, 5 साल से क्या कर रहे थे? उन्हें यूक्रेन में युद्ध की जानकारी है, उन्हें कोविड के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति की खांसी के बारे में पता था, लेकिन उन्हें किसानों की इस समस्या का पता नहीं था? लोगों से अपील करते हुए प्रियंका ने कहा कि आप (सार्वजनिक) अपनी परिस्थितियों के लिए जिम्मेदार हैं। आप भटक जाते हैं और आंखें बंद करके वोट करते हैं। आपका वोट एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, बुद्धिमानी से चुनें क्योंकि आपको अगले 5 वर्षों तक पछताना पड़ सकता है। यह आपके विकास का समय है।

पीएम मोदी पर डिंपल यादव का पलटवार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चार चरणों के चुनाव संपन्न हो चुके हैं। ऐसे में पांचवें चरण के लिए अयोध्या से अमेठी तक घमासान मचा हुआ है। इसी बीच समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अगर किसी को कुछ शंका है तो क्या उसे बोलने का अधिकार नहीं है ? प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को प्रयागराज में अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का दावा किया था। उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर कहा था कि मुझे किसी ने बताया कि पाचवें या छठवें चरण के मतदान खत्म होंगे, उसके बाद यह ईवीएम को गाली देना शुरू करेंगे। लेकिन इस बार इन्होंने चौथे चरण में ही ईवीएम को गाली देना शुरू कर दिया है। जब ईवीएम को गाली देने का काम शुरू हो जाए तो समझ लें कि इनका खेल खत्म हो गया। प्रधानमंत्री मोदी के तंज पर डिंपल यादव ने कहा कि अगर किसी को कुछ शंका है तो क्या उसे बोलने का अधिकार नहीं है ? वहीं सपा सांसद जया बच्चन ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मुझे लगता है कि समय बदल रहा है। लोगों को देखो, उनका उत्साह- आप माहौल के बारे में बता पाएंगे... वे महिला सुरक्षा के बारे में बात करते हैं लेकिन झूठ के अलावा कुछ नहीं जानते... आप पिछले 5 सालों में उत्तर प्रदेश में महिलाओं पर अत्याचार के बारे में जानते हैं, यह कहने की जरूरत नहीं है।

योगी आदित्यनाथ का सपा पर हमला

जो राम भक्तों पर गोली चलाते थे आज बजरंगबली का गदा लेकर घूम रहेः

सुलतानपुर। कटकाखानपुर में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक जनसभा को सबोधित किया। 17 मिनट के भाषण में उन्होंने सपा और बसपा पर जमकर हमला बोला और सरकार की उपलब्धियां गिनाई। सीएम योगी ने कहा कि मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान भगवान श्रीराम की धरा धाम पर उनके पुत्र महाराज कुश के द्वारा बसाई गई नगरी है। इस नगरी में मैं आज आप सबके बीच में हूं। आगे कहा कि यह मान्यता है कि हनुमान जी ने कालनेमि का वध इसी सुलतानपुर में किया था। चुनाव में हम हैं तो मेरा आप सब से आह्वान होगा चुनाव का सबसे बड़ा हथियार है एक वोट। राजनीति के जो कालनेमि हैं उन पर अपने वोट का एक करारा तमाचा मारने की आवश्यकता है। उनको हराकर ही आप कर सकते हैं। 2017 से 22 के बीच पांच साल के अंदर भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार को आपने कार्य करते हुए देखा है। सीएम योगी ने कहा कि 2012 से 17 के बीच समाजवादी पार्टी की सरकार और 2007 से 12 के बीच बहुजन समाज पार्टी की सरकार भी थी। भारतीय जनता पार्टी ने जो कहा है

वो करके दिखाया है। भारतीय जनता पार्टी जो कहती है वह करके दिखाती है। और यही कारण है जिस प्रदेश में 2017 के पहले सुरक्षा एक चुनौती थी। जिस प्रदेश में हर दूसरे और तीसरे दिन दंगा होता था। जहां पर आस्था का अपमान होता है और जिस प्रदेश में पेशेवर दंगाई, गुंडे और अपराधी पूरे प्रदेश के अंदर अराजकता का तांडव करते थे। बेटियां स्कूल नहीं जा पाती थीं। महिलाएं बाजार नहीं जा पाती थीं। देश के अंदर कानून व्यवस्था की एक नजीर प्रस्तुत करता उत्तर प्रदेश नए भारत का नया उत्तर प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है। मैं आपके सुलतानपुर आने के पहले अयोध्या में था। आपने कल अयोध्या में रोड शो का कार्यक्रम देखा होगा। अयोध्या नगरी पूरी अयोध्या नगरी उमड़ पड़ी थी। भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में फिर एक बार 300 के पार के लक्ष्य को प्राप्त करना है। अयोध्या की पांचों की पांचों सीट अयोध्या की जनता भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में देने को तैयार है। अब तक चार चरणों चुनाव हुए हैं। चार चरणों चुनाव के रुझान आपको बताऊं। चार चरणों के चुनाव परिणाम 10 तारीख को आएंगे। रुझान इसी से अंदाजा लगा सकते हैं कि विपक्ष के तमाम नेताओं ने अभी से विदेश भागने के लिए अपने टिकट 11 तारीख के लिए बुक करा लिए हैं। और इससे ज्यादा परिवर्तन और क्या हो सकता है। जो लोग राम भक्तों पर गोली चलाते थे और अपनी जेब में तमंचा लेकर राम भक्तों पर गोली चलाते थे। आज वही बजरंगबली की गदा लेकर घूम रहे हैं। चुनाव में जब बुरी तरह परास्त होंगे तो मैं कह सकता हूं कि अगली बार यह लोग भी राम भक्तों की कतार में खड़े होकर कारसेवा करते हुए अयोध्या में दिखाई देंगे।

वोटिंग से पहले गोरखपुर में बेघर हुए चंद्रशेखर

गोखपुर। करहल के बाद सबसे हॉट सीट मानी जानी वाली गोरखपुर में चुनावी माहौल लगातार गमार्ता जा रहा है। यूपी के रण में पार्टी की स्थिति मजबूत करने में जुटे चंद्रशेखर आजाद को वोटिंग से पहले ही तगड़ा झटका लगा है। गोरखपुर से चंद्रशेखर आजाद को घर छिन गया है। मकान खाली होने से नाराज आजाद ने एक बार फिर योगी आदित्यनाथ पर हमला बोल दिया है। आजाद ने योगी आदित्यनाथ पर सरकारी मशीनरी का गलत इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया है। इसके अलावा आजाद ने यूपी सरकार में हुए घोटालों की फाइल करने करने की भी बात कही है। गोरखपुर सदर सीट से मुख्यमंत्री के खिलाफ चुनाव लड़ रहे भीम आर्मी चीफ ने प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान योगी आदित्यनाथ ने कई आरोप लगाए। चंद्रशेखर ने कहा, वह गोरखपुर किराए के मकान में रहकर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। योगी आदित्यनाथ ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके उनसे जबरदस्ती घर खाली कराया गया है।

नवाब मलिक अस्पताल में भर्ती

मुम्बई। प्रवर्तन निदेशायल द्वारा गिरफ्तार किए जाने के दो दिन बाद महाराष्ट्र सरकार में मंत्री व एनसीपी नेता नवाब मलिक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वह मुंबई के जेजे अस्पताल में भर्ती हैं। हालांकि, उन्हें किन कारणों से अस्पताल में भर्ती किया गया है। इसकी जानकारी अभी तक नहीं मिली है। बीते, बुधवार को एनसीपी नेता को ईडी ने गिरफ्तार किया था। उन पर दाऊद इब्राहिम के करीबी से संपत्ति खरीदने का आरोप है। इसके अलावा मनी लॉड्रिंग से जुड़े मामले में भी ईडी जांच कर रही है। ईडी की टीम ने बुधवार सुबह करीब सात बजे

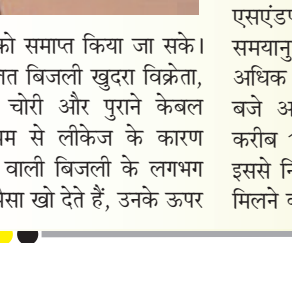

उनके घर पर छापेमारी की थी। इसके बाद ईडी उन्हें अपने साथ ले आई थी। करीब छह घंटे पूछताछ के बाद उनकी गिरफ्तारी हुई थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मलिक की गिरफ्तारी के बाद पूरी कहानी का पदार्फाश किया था। ईडी ने कोर्ट में बताया था कि, मंत्री नवाब मलिक ने कथित रूप से मुनिरा प्लंबर से 300 करोड़ रुपये का प्लाट कुछ लाख रुपये में एक कंपनी के जरिये हड़पा था। इस कंपनी का नाम सॉलिड्स इन्वेस्टमेंट प्रा.लि. है और कंपनी का मालिक मलिक परिवार है। ईडी ने आरोप लगाया कि मलिक यह कंपनी भगोड़े डॉन दाउद इब्राहिम की बहन हसीना पारकर और डी गैंग के अन्य सदस्यों के सहयोग से चलाते रहे हैं। इस संबंध में मुनिरा प्लंबर ने ईडी को दिए बयान में बताया कि कुर्ला में गोवाला कंपाउंड में उनका 3 एकड़ का प्लॉट था। इस जमीन पर अवैध कब्जे को खाली कराने और विवादों को निपटाने के लिए सलीम पटेल ने उससे पांच लाख रुपये लिए थे, लेकिन उसने यह जमीन थर्ड पार्टी को बेच दी जबकि सलीम को कभी प्रापर्टी को बेचने के लिए नहीं कहा था।

सुप्रीम कोर्ट से मिली खबर से अडानी पावर के शेयरों में जोरदार तेजी

कंपनी को राजस्थान डिस्कॉम से मिलेंगे 405 मिलियन डॉलर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से अडानी को अच्छी खबर मिली है। देश की शीर्ष अदालत ने अरबपति गौतम अडानी की बिजली इकाई के पक्ष में एक फैसला सुनाया है। फैसले में कहा गया कि राजस्थान में राज्य द्वारा संचालित वितरण कंपनियों को अडानी पावर लिमिटेड को 30.48 बिलियन रुपए या 405 मिलियन डॉलर चुकाने होंगे। इसके अलावा उच्च ईंधन लागत की भरपाई के लिए अतिरिक्त ब्याज का भी भुगतान करना होगा। अडानी राजस्थान और हरियाणा सहित राज्यों के खिलाफ कई अदालती लड़ाई लड़ रहा है। अडानी को अपने संयंत्रों में उपयोग के लिए महंगे आयातित कोयले का सहारा लेना पद रहा है और इसकी लागत सौंपने को ज्यादा

पड़ रही है। कंपनी इसके लिए कम्पेन्सेटरी टैरिफ की मांग कर रही है। शुक्रवार को, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया की चार बिजली खुदरा विक्रेताओं को अडानी पावर को चार सप्ताह के भीतर पैसे का भुगतान करना होगा, ताकि 2013 से बकाया भुगतान को समाप्त किया जा सके। राज्य द्वारा संचालित बिजली खुदरा विक्रेता, जो बिजली की चोरी और पुराने केबल नेटवर्क के माध्यम से लीकेज के कारण आपूर्ति की जाने वाली बिजली के लगभग पांचवें हिस्से पर पैसा खो देते हैं, उनके ऊपर बिजली बनाने वाली कंपनियों का अरबों डॉलर का भुगतान बकाया है। इस हालिया निर्णय से अदानी पावर को ऋण चुकाने या परियोजनाओं के लिए पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलेगी। इस फैसले के बाद मुंबई में अदानी पावर के शेयरों में 15% की बढ़ोतरी हुई, जो एक हफ्ते से भी ज्यादा समय में सबसे ज्यादा बढ़त है। बेंचमार्क एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स स्थानीय समयानुसार सुबह 11:50 बजे 2.8% अधिक कारोबार कर रहा था। दोपहर तीन बजे अडानी पावर के शेयर 10% ऊपर करीब 122 रुपए पर कारोबार कर रहे थे। इससे निवेशकों को भविष्य में अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

पूरा जीवन एक अनुभव है आप जितने प्रयोग करते है, उतना ही इसे बेहतर बनाते है - राल्फ वाल्डो एमर्सन

संपादकीय

युद्ध और चिंताएं

युद्ध अब शुरू हो चुका है। पिछले कुछ सप्ताह से पूर्वी यूरोप में जो रणभेरी बज रही थी, उसे इसी अंजाम पर पहुंचना था। फ्रांस और जर्मनी की बीच-बचाव की कोशिशें, अमेरिका की पाबंदी की घुड़कियां और संयुक्त राष्ट्र की मैराथन बैठकें, रूस को यूक्रेन पर हमला बोलने से नहीं रोक सकीं। रूस हमला करेगा, यह सोमवार को तभी स्पष्ट हो गया था, जब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने टेलीविजन संबोधन में कहा था कि वह यूक्रेन की संप्रभुता को मान्यता नहीं देते। अगले ही दिन रूस ने पूर्वी यूक्रेन के उन दो इलाकों को मान्यता दे दी थी, जो यूक्रेन से बगावत करके उससे अलग होने की घोषणा कर चुके थे। रूसी सेनाएं जब इन दो इलाकों की ओर रवाना हुईं, तभी युद्ध की शुरुआत हो चुकी थी। बस इसकी घोषणा भर बाकी थी। अब जब यह घोषणा भी हो चुकी है और यूक्रेन के विभिन्न इलाकों से बमों के धमाके सुनाई देने शुरू हो चुके हैं, तब न ऐसी ताकतें दिख रही है, और न ही ऐसी समझदारी कहीं नजर आ रही, जो इस आग को शांत करने की ठोस पहल करती हो। हालांकि, युद्ध की खबरें आने के बाद ही यूक्रेन ने दावा किया है कि उसने दुश्मन के पांच विमान और एक हेलीकॉप्टर मार गिराए हैं। युद्ध के दौरान ऐसे दावों का सच जानना आसान नहीं होता, लेकिन एक बात स्पष्ट है कि जहां तक सैनिक ताकत का सवाल है रूस कहीं ज्यादा ताकतवर है। इसे हम आठ साल पहले हुई उस लड़ाई में भी देख चुके हैं, जब मॉस्को ने बहुत आसानी से यूक्रेन से क्रीमिया छीन लिया था। इसलिए यूक्रेन अब अमेरिका और पश्चिमी यूरोप के देशों की ओर देख रहा है कि उनकी सेनाएं आकर उसकी रक्षा करें, लेकिन अभी तक किसी ने भी इस मैदान में कूदने की इच्छा नहीं दिखाई है। सबको पता है, इसके बाद जंग फिर यूक्रेन तक सीमित नहीं रहेगी, लेकिन क्या इसका अर्थ यह है कि यूक्रेन को पूरी तरह रूस की दया पर छोड़ दिया जाएगा? कभी यूक्रेन के पास ढेरों परमाणु हथियार हुआ करते थे, उसने अपने ज्यादातर हथियार अमेरिका, रूस और ब्रिटेन की सुरक्षा गारंटी के बाद त्याग दिए थे। अब उसके पास ऐसे कितने हथियार बचे हैं, पता नहीं, लेकिन सुरक्षा गारंटी का मुद्दा भुलाया जा चुका है। चिंताएं हालांकि और भी हैं। पश्चिमी यूरोप के बहुत सारे देश पेट्रोल, गैस जैसी अपनी ईंधन की जरूरतों के लिए रूस से होने वाले आयात पर निर्भर हैं। तनाव अगर लंबा खिंचता है और रूस से ईंधन की आपूर्ति बंद होती है, तो वे खाड़ी के देशों का रुख करेंगे, जिसका अर्थ होगा विश्व बाजार में पेट्रोल की कीमतों का बढ़ना। कीमतें बढ़नी शुरू भी हो गई हैं। अगर ये और बढ़ती हैं, तो भारत जैसे उन देशों के लिए भी नई मुसीबतें खड़ी हो सकती हैं, जिनके विदेशी मुद्राकोष का बड़ा हिस्सा पेट्रोलियम आयात में ही खप जाता है। कोविड महामारी के बाद पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं जिस समय पटरी पर लौटने की कोशिश कर रही हैं, उस समय यह सब आर्थिक विकास के लक्ष्यों को बड़ा झटका दे सकता है। पर भारत की तत्काल दिक्कत उन भारतीयों को लेकर है, जो अभी यूक्रेन में फंसे हुए हैं। भारत ने उन्हें वापस लाने की आपात योजना जरूर बनाई थी, पर युद्ध के कारण यूक्रेन के एयरस्पेस को बंद कर दिया गया है। यही समय है, जब तनाव बढ़ाने के बजाय सोच-समझकर अमन-चैन की दिशा में प्रयास किए जाएं।

डिजिटल पूंजी को कानूनी वैधता का इंतजार

पवन दुग्गल

वित्तमंत्री सीतारमण ने बजट 2022-23 भाषण में कुछ नई राहों को खोला है, जिससे कि अनेकानेक नए मौके पाने की संभावना बनी है। इनमें एक मुख्य है डिजिटल करेंसी। आज की तारीख तक, भारत के पास मुद्रा के तौर पर केवल कागजी भारतीय रुपया रहा है। पूंजी के डिजिटल प्रारूप पर बढ़ती निर्भरता और इस 'डिजिटल वाहन' पर दिनों-दिन भारतीयों को सवार होते देख सरकार ने डिजिटल करेंसी की महत्ता को पहचाना है। यही वजह है कि वित्तमंत्री ने केंद्रीय बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) लाने की बात कही है। सीबीडीसी क्रमिक विकास सरीखी प्रक्रिया है। आम आदमी की भाषा में कहें तो क्रिप्टो करेंसी की आमद ने विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों को निजी क्रिप्टो करेंसी का आधिकारिक विकल्प देने के बारे में सोचने को उद्धृत किया है। सीबीडीसी को आमतौर पर वह डिजिटल टोकन माना जा रहा है जिसे देश का केंद्रीय बैंक जारी करेगा। जहां तक मुल्कों की आम प्रचलित नकदी की बात है, ज्यादातर देशों के केंद्रीय बैंक डिजिटल टोकन को बढ़ावा देने के हामी हैं। जैसे कि अटलांटिक काउंसिल ने कहा है कि सीबीडीटी वह आभासीय मुद्रा है जिसे मुल्क का केंद्रीय बैंक जारी कर मान्यता देगा। सीबीडीटी का फायदा यह होगा कि इसके धारक को मूल्य संबंधी गारंटी मुल्क विशेष के केंद्रीय बैंक की होगी। इस संदर्भ में, बजट भाषण में वर्ष 2022-23 से रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा ब्लॉक चेन और अन्य तकनीकों पर आधारित डिजिटल रुपया जारी करने का वर्णन है। बजट में आगे डिजिटल रुपये के रूप में सीबीडीसी के बहुत से फायदों को गिनाया गया है। आस है कि भारतीय डिजिटल अर्थव्यवस्था को भारतीय मुद्रा के इस नए प्रारूप से गति मिलेगी। यह भी माना जा रहा है कि डिजिटल रुपये और डिजिटल करेंसी से मुद्रा प्रबंधन व्यवस्था के खर्च में कमी आएगी और अधिक दक्षता बनेगी। जहां तक भारत की बात है इससे डिजिटल करेंसी और डिजिटल भुगतान के क्रमिक विकास के आगाज़ से नया अध्याय बनेगा। बजट भाषण में डिजिटल शब्द का जिक्र 35 अलग-अलग स्थान पर आया है, जो कि डिजिटल व्यवस्था बनाने के अलग-अलग पहलुओं से जुड़ी गतिविधियों से संबंधित है। बजट भाषण ने नए युग का सूत्रपात किया है। पहली मर्तबा डिजिटल पूंजी पर कर-योजना का प्रावधान किया गया है। भारत में पिछले कुछ समय से क्रिप्टो करेंसी और क्रिप्टो-पूंजी के प्रयोग में भारी उछाल देखने को मिला है। हालांकि, इनको नियंत्रित करने हेतु अलग से विशेष कानूनी तंत्र नदारद है। गौरतलब और रोचक यह कि फिर भी ज्यादा-से-ज्यादा भारतीय आभासीय पूंजी में निवेश कर रहे हैं और इसके लेन-देन की मात्रा और आवर्ती में निरंतर बढ़ोतरी होती जा रही है। बजटीय संबोधन में आगे आभासीय डिजिटल पूंजी पर लगने वाले टैक्स की बाबत अलग-अलग प्रावधानों का जिक्र किया गया है। इस कार्ययोजना के विविध मुख्य अवयव हैं जिनमें प्रथम, आभासीय मुद्रा या पूंजी के लेन-देन से प्राप्त आमदनी पर 30 फीसदी कर चुकाना होगा। दूसरा, डिजिटल पूंजी से हुई आमदनी की गणना करते वक्त इसकी खरीद लागत गिने जाने के अलावा अन्य खर्च या भत्तों की कटौती किए जाने का प्रावधान नहीं है। तीसरा, डिजिटल करेंसी या पूंजी के व्यापार में हुए घाटे को व्यक्ति के अन्य स्रोतों से हुए मुनाफे से घटाकर पेश करना वर्जित है। चौथा, इस योजना के तहत एक मात्रा से ज्यादा डिजिटल करेंसी या पूंजी के लेन-देन पर 1 फीसदी दर से टीडीएस (स्रोत कर) लगेगा। इन प्रस्तावों से कुल मिलाकर यह प्रभाव बनता है कि सरकार डिजिटल पूंजी को मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था में शामिल करके कराधान का दायरा बढ़ाना चाहती है। यही वह मंतव्य है जो इस बजट भाषण में झलकता है। यहां गौरतलब है कि चूंकि भारत के पास डिजिटल पूंजी को लेकर अलग से कोई कानूनी तंत्र अब तक नहीं है, तो इसकी अनुपस्थिति में आभासीय (वर्चुअल) लेन-देन पर 30 फीसदी कर लगाने का प्रावधान आम आदमी की समझ में एक तरह से डिजिटल पूंजी को वैधता और मान्यता देने वाला कदम है। हालांकि यह विषय-वस्तु और क्षेत्र अभी अस्पष्ट है। जो लोग डिजिटल पूंजी के व्यापार में लिप्त हैं उनके धन की सुरक्षा के लिए जरूरी है कि एक यथेष्ट कानूनी तंत्र बने, जो कि बजट में डिजिटल पूंजी पर टैक्स-प्रस्तावों को लेकर की गई घोषणा के अनुरूप भी होगा। ऐसा कोई कदम भारत में क्रिप्टो-आर्थिकी की उन्नति सुदृढ़ करने में अधिक स्पष्टता और सहायता प्रदान करेगा। भारतीय डिजिटल रुपये को एक न्यूनतम कानूनी जामा पहनाने की जरूरत है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि डिजिटल रुपये वाला सिद्धांत वर्तमान दायरे में नहीं आता। लिहाजा इसको सूचना तकनीक कानून-2000 और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया कानून-1935 की परिधि में लाने हेतु दोनों में यथेष्ट संशोधनों की जरूरत है। भारतीय डिजिटल रुपये की कानूनन वैधता बनाने को भी संबंधित धाराओं में माकूल संशोधन किए जाने की जरूरत पड़ेगी। इस तरह अधिक स्पष्टता बनाकर ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोगों को डिजिटल रुपया इस्तेमाल करने को उत्साहित किया जा सकेगा। इतना सब कह और करके, बजट भाषण ने डिजिटल रुपये और आभासीय डिजिटल पूंजी में संभावनाओं की नई राहें खोल दी हैं। हालांकि इन मौकों को एक कानूनी ढांचे का संबल देकर मजबूती और वैधता देना बाकी है। यह सब होने पर भारत भी आने वाले समय में डिजिटल करेंसी और पूंजी व्यापार के फायदों का लाभ ले सकेगा।

लेखक साइबर कानून विशेषज्ञ हैं।

मोबाइल ऐप' का संसार, दोधारी तलवार

- डॉ. सत्यवान सौरभ

आज 'मोबाइल ऐप स्मार्टफोन यूजर्स' की जिंदगी का अहम हिस्सा बन गए हैं। गाँव से शहर तक लगभग हर व्यक्ति इन पर आश्रित नज़र आता है। देखें तो भारत में एक स्मार्टफोन उपयोगकर्ता स्मार्टफोन डिवाइस पर (विशेष रूप से मोबाइल ऐप पर) दिन में लगभग 3.5 घंटे खर्च करता है। हर दिन नए-नए ऐप आने के साथ, इस से इनकार नहीं किया जा सकता है कि न केवल किसी व्यक्ति के जीवन पर बल्कि उसके सोचने, व्यवहार करने या समझने के तरीके पर भी उनका बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है। हालाँकि, इस फलते-फूलते मोबाइल ऐप वातावरण का एक बड़ा नुकसान भी है जो हाल के दिनों में बुल्ली बाई ऐप जैसे मामलों में स्पष्ट हो गया कि कैसे ऐप का इस्तेमाल महिलाओं और समुदायों को गलत तरीके से टारगेट करने के लिए किया था। आज इन ऐप्स का प्रयोग लोकतंत्र के कामकाज में दोधारी तलवार साबित हो रहा है। जानते है इनसे सूचना तक पहुंच का लोकतांत्रिकरण हुआ है। लेकिन कुछ निजी कंपनियों, उनके अरबपति मालिकों और कुछ विशेष समूहों को चोरी से निजी जानकारी देने में भी ये पीछे नहीं है। दुनिया भर में अब पठनीय सामग्री की खोज के पारंपरिक तरीके बदल गए है। आज के पत्रकारों और संपादकों द्वारा तकनीकी प्लेटफार्मों पर अधिक जोर दिया गया हैं। वे केवल इसके उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि सामग्री के निर्माता और प्रसारक भी बन गए हैं। यही नहीं अब समान विचारधारा वाले समूहों के तकनीकी समूह बन गए हैं। दूसरी ओर इनका भयानक सच ये है कि इन ऐप्स पर गलत सूचना जनता की राय को बदल सकती है और जनता में घबराहट और बेचैनी की भावना पैदा कर सकती है। ये ऐसा मंच हैं जो अत्यधिक उदार है और यह आम नागरिकों को अपने विचार रखने की अनुमति देता है। यह लोगों को सीधे अपने नेताओं के साथ संवाद करने की अनुमति भी देता है तो विरोध का कारण भी बनता है। सोशल मीडिया पर जनता की राय को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है, जिससे लोकतंत्र अधिक पारदर्शी और मजबूत भी होता है। आंकड़ों के अनुसार व्हाट्सएप के लगभग 400 मिलियन सक्रिय भारतीय उपयोगकर्ता हैं (अमेरिका में जहां इसका मुख्यालय है, उस से लगभग चार गुना); भारत में लगभग 300 मिलियन फेसबुक उपयोगकर्ता सक्रिय हैं (अमेरिका से लगभग 100 मिलियन अधिक); भारत में लगभग 250 मिलियन यूट्यूब उपयोगकर्ता (अमेरिका से लगभग 50 मिलियन अधिक)। इतने बड़े बाजार को देखते हुए महत्वपूर्ण डेटा न्यासियों का दायित्व है कि वे बड़े पैमाने पर भारत में डेटा विषयों के हित में कानून का पालन करें। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) अश्लील, मान हानिकारक भाषण को अपराधी बनाती है, जो महिलाओं का अपमान करती है और उनकी निजता में दखल देती है। 2000 का सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम अश्लील भाषण को भी दंडित करता है। महिलाओं का अश्लील प्रतिनिधित्व (निषेध) अधिनियम महिलाओं की अश्लीलता वाली मुद्रित सामग्री के प्रकाशन पर रोक लगाता है। यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम एक बच्चे के यौन उत्पीड़न के साथ-साथ अश्लील उद्देश्यों के लिए बच्चों के उपयोग को रोकता है। इन सभी कानूनों का इन प्लेटफार्म पर भी लागू होना बेहद जरूरी है। हम जानते है कि ऐप्स को नियंत्रित करने की बहुत सख्त नीति व्यक्ति के निजता के अधिकार का उल्लंघन कर सकती है। प्रौद्योगिकी के अपने लाभ हैं, विशेष रूप से व्यापक पहुंच वाले इस ऐप के। जैसे वर्तमान महामारी के बीच, एसओएस कॉल के लिए व्हाट्सएप, फेसबुक और ट्विटर थे। मौजूदा दौर में लंबे समय से चल रहे लॉकडाउन में ऐप्स ने लोगों को मानसिक परेशानी से राहत दी है। इसमें कोई विवाद नहीं हो सकता है कि हमें इस संकट से बाहर निकलने में सक्षम बनाने के लिए ऐप्स की आवश्यकता है; महामारी के कारण हमें जो भी नुकसान हुआ है, उससे निपटने के लिए और साथियों से जुड़ने के लिए। सरकार को इन एप्लिकेशन प्लेटफॉर्म्स को रेगुलेट करना चाहिए, लेकिन इस हद तक नहीं कि उनके लिए भारत में बिजनेस करना मुश्किल हो। चूंकि भारत एक लोकतान्त्रिक देश है, इसलिए निजता के अधिकार और भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कोई भी अवैध या असंवैधानिक जांच नहीं होनी चाहिए। हाँ ,सोशल मीडिया जागरूकता की आवश्यकता है जो नागरिकों को सच्चाई और झूठ के बीच अंतर करने में सक्षम कर सके और यह जान सके कि कब और कितना लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में हेरफेर किया जा रहा है। ऐप्स उस स्थिति में हमारे लिए सुरक्षा कवच बने जब लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को जानबूझकर तोडा-मरोड़ा जा रहा हो या सच को दरकिनार करके हानिकारक झूठ का विष फैल रहा हो। आज हमें एक व्यापक आईटी कानून की आवश्यकता है जिसकी सक्रिय होने और समय-समय पर समीक्षा करने की आवश्यकता है ताकि प्रौद्योगिकी द्वारा उत्पन्न नई चुनौतियों की जांच की जा सके। उपलब्ध कानूनों को कड़े तरीके से लागू किया जाना चाहिए और किसी भी उल्लंघन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

आज के कार्टून

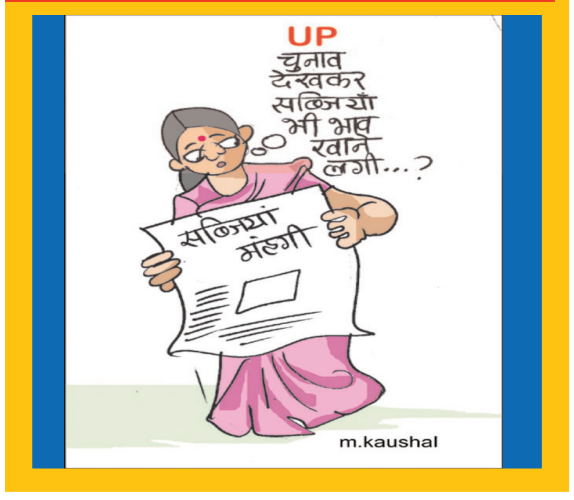

स्वर्ग-नर्क

जग्गी वासुदेव

पूरी दुनिया में, मानव समाज पर नियंत्रण करने के लिये स्वर्ग और नर्क की धारणाएं फैलाई गई हैं। जब वे समझ नहीं पा रहे थे कि लोगों पर व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से कैसे काबू पाया जाए तो उन्होंने यह तरकीब निकाली,'अगर हम तुम्हें अभी सजा नहीं दे सकते, तो हम तुम्हें वहां पकड़ लेंगे। आपके अच्छे कामों के लिए अगर हम आपको यहां ईनाम नहीं दे सकते, तो हम आपको वहां ईनाम देंगे'। लेकिन अगर सत्य अस्तित्व की वास्तविकता से थोड़ा सा भी अलग है तो वहां जाने का कोई मतलब नहीं है। जब हम कहते हैं,'असतो मा सद्गमय' तो इसका अर्थ है, 'असत्य से सत्य की ओर यात्रा'। वास्तव में यह कोई यात्रा नहीं है। यात्रा शब्द से ऐसा प्रतीत होता है जैसे कोई दूरी पार करनी है पर असलियत में कोई दूरी पार नहीं करनी होती। 'जानना' दूर नहीं है, क्योंकि आप को जो जानना है वो कहीं दूर पर्वत के शिखर पर नहीं है, वह आप के अंदर ही है। पहली बात जिसे योग नकारता है, वह है-स्वर्ग और नर्क। जब तक स्वर्ग और नर्क की मान्यता है, तब तक भीतरी खुशहाली की तकनीकों और मुक्ति की ओर बढ़ने की प्रक्रिया का कोई मतलब नहीं है क्योंकि आखिरकार आप इन दो जगहों में से ही कहीं जाएंगे-या तो एक बुरी जगह या एक अच्छी जगह। अगर आपको किसी तरह से अच्छी जगह जाने का टिकट मिल जाता है, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है कि आप कैसे जी रहे हैं। मानवता के इतनी बुरी तरह से जीने का एक मुख्य कारण ये है कि इसमें उन्हें धर्म की मदद मिली है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप क्या करते हैं, अगर आप बस ये, ये और ये मानते हैं, तो आपका स्वर्ग जाने का टिकट पक्का है। आप के अंदर जो स्वर्ग और नर्क काम कर रहे हैं, अगर आप उनका नाश नहीं करते तो फिर आप किसी भी प्रकार से सत्य की ओर नहीं बढ़ सकते। फिलहाल, आप का शरीर और मन आप के अंदर ही स्वर्ग या नर्क बना सकते हैं। उनमें ये दोनों ही बनाने की योग्यता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कहां हैं, वे स्वर्ग या नर्क का निर्माण कर ही रहे हैं। आप के मन की अंतर करने की क्षमता का स्वभाव ऐसा है कि जब आप अपने अंदर नर्क का निर्माण करते हैं और फिर जब यह ज्यादा ही यातना देने लगता है तब आप इसे थोड़ा वापस खींच लेते हैं।

सू-दोकू नवताल -2054

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

सू-दोकू 2053 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2054

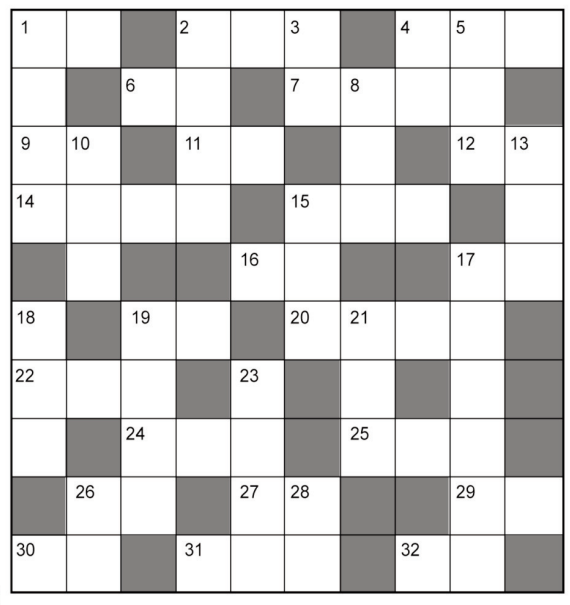

बायें से दायें:-

1. 'बरसो रे मेघा' गीत वाली फिल्म-2
2. राजेशखन्ना, धर्मेन्द्र, वहीदा की फिल्म-3
4. 'नींद कभी रहती थी आँखों में' गीत वाली फिल्म-3
6. राज सोलंकी, हिना रहमान, पायल की फिल्म-2
7. 'कहना है जो दिल से कहो' गीत वाली फिल्म-4
9. संजीवकुमार, नूतन की फिल्म-2
11. 'हम और तुम तुम और' गीत वाली फिल्म-2
12. अभिषेक, भूमिका की फिल्म-2
14. 'कुछ लोग यहाँ पर ऐसे हैं' गीत वाली फिल्म-4
15. मकरंद देशपांडे, शबाना, श्वेता की फिल्म-3
16. 'जब आती होगी याद मेरी' गीत वाली फिल्म-2
17. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-2
19. 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-2
20. अनिल धवन, रेहाना की फिल्म-2,2
22. 'पर्दे में रहने दो पर्दा ना' गीत वाली फिल्म-3
24. सुनील दत्त, साधना की फिल्म-3
25. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-3
26. अभिषेक, उदय, एशा की फिल्म-2
27. 'शरमाए काहे घबराये' गीत वाली फिल्म-2
29. आमिर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-2
30. 'लगन लागी मन की लगन' गीत वाली फिल्म-2
31. फिल्म 'मनोरंजन' में नायिका कौन थी-3
32. शाहरूख, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. ऋषि, अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-4
2. 'नील गगन पे उड़ते बादल आ' गीत वाली फिल्म-4
3. फिल्म 'मि. बॉण्ड' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-2
4. जीतेंद्र, रीना राय, रामेश्वरी की 'धक धक से धड़कना' गीत वाली फिल्म-2
5. 'सपनों का शहर हो' गीत वाली अरशद वारसी, महिमा चौधरी की फिल्म-3
8. सुष्मिता की पहली फिल्म ?-3
10. 'चूड़े वाली छमिया मिला नैन रे' गीत वाली सनी, जयाप्रदा की फिल्म-3
13. विनोद खन्ना, बिन्दू की 'दिल करने लगा है प्यार तुम्हे' गीत वाली फिल्म-3
15. 'जीना तेरी बाहों' गीत वाली सुनील शेट्टी, इंद्रकुमार, नम्रता की फिल्म-3
17. प्रदीपकुमार, नर्गिस की 'दिल की गिरह खोल दो' गीत वाली फिल्म-2,2,2
18. 'नजर के सामने जिगर' गीत वाली राहुल राय, अनु अग्रवाल की फिल्म-3
19. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'ढपली वाले ढपली बजा' गीत वाली फिल्म-4
21. 'गोरी जो मटके बालों' गीत वाली सुनील, खवीना, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-3
23. राजेंद्र कुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-2,2
26. 'हर एक घर में दिया' गीत वाली संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की फिल्म-2
28. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'अभी सॉस लेने की' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2053

रूस-यूक्रेन युद्ध से वैश्विक बाजार पर मंडराए काले बादल

नई दिल्ली ।

रूस-यूक्रेन युद्ध से वैश्विक बाजार सबसे अधिक प्रभावित होने वाला है। इस संकट के चलते वैश्विक बाजार पर खतरे के काले बादल मंडरा रहे हैं। दुनियाभर के देश और केंद्रीय बैंक कोविड-19 महामारी के प्रकोप से धीरे-धीरे बाहर निकले हैं। अर्थव्यवस्थाओं में रिकवरी आई है और अब यूक्रेन संकट ने फिर से सभी को बड़ी टेंशन दे दी है। इस भू-राजनीतिक तनाव का असर वैश्विक बाजार पर बड़ी तेजी से देखने को मिलेगा। जानी-मानी वित्तीय एवं रिसर्च कंपनी की एक रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन संकट के चलते एशिया में सबसे बड़ा असर भारत में देखने को मिल सकता है। क्रूड ऑयल की आसमान छूती कीमतों का असर हमें सबसे अधिक प्रभावित कर सकता है। ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 3 फीसद उछलकर 105 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच चुकी है। रिसर्च फर्म की रिपोर्ट के अनुसार, क्रूड ऑयल और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में लगातार बढ़ोत्तरी एशिया की अर्थव्यवस्थाओं पर काफी बुरा असर डालेंगी। बढ़ती महंगाई, कमजोर चालू खाता, बढ़ता घाटा और आर्थिक ग्रोथ के प्रभावित रहने से मुश्किल और बढ़ जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया कि इस स्थिति में भारत, थाइलैंड और फिलीपींस को सबसे अधिक नुकसान होगा। जबकि, इंडोनेशिया को अपेक्षाकृत रूप से फायदा होगा।

शुद्ध रूप से तेल आयातक होने के चलते भारत को भारत को भी काफी नुकसान होगा, क्योंकि तेल की कीमतों में लगातार बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। रिपोर्ट मे कहा गया, कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोत्तरी से उपभोक्ताओं और कारोबारों पर काफी बुरा प्रभाव पड़ेगा। हमारा अनुमान है कि तेल की कीमतों में प्रत्येक 10 फीसद उछाल के कारण जीडीपी ग्रोथ में करीब 0.20 पर्सेंटेज प्वाइंट की गिरावट आएगी। एक रिसर्च के अनुसार, भारत के क्रूड बास्केट में 10 डालर प्रति लीटर की बढ़ोत्तरी वित्त वर्ष 2022 के लिए वार्षिक जीडीपी ग्रोथ के अनुमान 9.2 फीसद से 10 आधार अंक की ग्रोथ कम कर सकता है। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा कि क्रूड बास्केट में 10 फीसद की स्थायी बढ़त डब्ल्यूपीआई आधारित महंगाई में 1.2 फीसद और आधारित आधारित महंगाई में 0.3 से 0.4 फीसद की बढोत्तरी कर सकती है। एजेंसी ने कहा कि हाल ही में मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था ।

सरकार का एडिटिव विनिर्माण के वैश्विक बाजार में पांच प्रतिशत हिस्सेदारी का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

सरकार का एडिटिव विनिर्माण या 3डी प्रिंटिंग के वैश्विक बाजार में पांच प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने का लक्ष्य है। संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इससे अगले दो-तीन साल में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में दो से तीन अरब डॉलर जोड़े जा सकेंगे। एडिटिव विनिर्माण की राष्ट्रीय रणनीति के तहत सरकार की सामग्री, मशीन, प्रक्रिया और सॉफ्टवेयर के लिए 50 भारत केंद्रित प्रौद्योगिकियों के सृजन की योजना है। इससे भारत को 3डी प्रिंटिंग डिजाइन और विनिर्माण केंद्र बनाया जा सकेगा। वैष्णव ने इस नीति की घोषणा करते हुए कहा कि प्रीसिशन इलेक्ट्रॉनिक्स का मूल्य काफी ऊंचा है। यह आगामी दो से तीन साल में दो-तीन अरब डॉलर का योगदान देगा। उन्होंने कहा कि इस रणनीति का मकसद 100 नए स्टार्टअप, 500 एडिटिव विनिर्माण उत्पाद और सामग्री, मशीन, प्रक्रिया और सॉफ्टवेयर पर 50 भारतीय एडिटिव विनिर्माण प्रौद्योगिकियों के सृजन का है। हमने इस रणनीति में कुछ स्पष्ट रूप से परिभाषित लक्ष्य तय किए हैं। हमारा लक्ष्य 50 नई भारत केंद्रित प्रौद्योगिकी, 100 नए स्टार्टअप, 10 मौजूदा और नए विनिर्माण क्षेत्र और एक लाख नया कुशल श्रमबल देने का है।

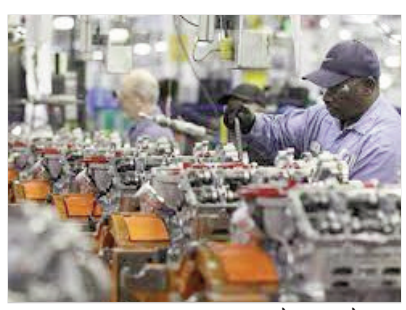

बिल्डरों से बकाए की वसूली के लिए युपी रेरा ने संपत्ति की कुर्क, लेकिन फिर भी पूरी नहीं हुई रिकवरी

नोएडा।

उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण ने विभिन्न बिल्डरों से 1,500 करोड़ से अधिक की बकाया रकम वसूलने के लिए रिकवरी सर्टिफिकेट (आरसी) जारी किया है। जिला प्रशासन ने कुछ बिल्डरों की संपत्ति को कुर्क किया है लेकिन इसके बावजूद भी पूरी रकम वापस नहीं हो पा रही है। जिला प्रशासन ने बिल्डरों को चेतावनी दी है कि अगर पूरी रकम नहीं मिली तो उनके बैंक खाते व कार्यालय भी सील किए जाएंगे। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व बंदिता श्रीवास्तव ने बताया कि उत्तर प्रदेश (रेरा) की तरफ से 1,500 करोड़ से अधिक की आरसी जारी की गई है। इसमें करीब 1,000 करोड़ की आरसी जनपद गौतम बुद्ध नगर में सक्रिय बिल्डरों की है। जिला प्रशासन वसूली के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। बिल्डर पक्ष द्वारा पैसे नहीं दिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि बिल्डरों द्वारा पैसे नहीं दिए जाने के बाद 44 बिल्डरों की 309 संपत्तियों को कुर्क किया जा चुका है, जो कि करीब 382 करोड़ की कीमत की है। उन्होंने बताया की कुर्क संपत्ति से आरसी की वसूली पूरी नहीं हो पा रही है। बिल्डर यह मान कर बैठ गए हैं कि उनकी संपत्ति कुर्क हो गई है, तो आरसी में आगे की कार्रवाई नहीं होगी। जिला प्रशासन ने इस बाबत सभी बिल्डर से कहा है कि उन्हें आरसी का पैसा देना होगा। संपत्ति कुर्क होने के बाद बिल्डर यह ना समझें कि अब वसूली नहीं होगी। जिला प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार, बिल्डरों को आरसी का पैसा देना होगा। अगर बिल्डर पैसा नहीं देते हैं तो उनके ऑफिस तथा बैंक खातों को सील कर दिया जाएगा। जिला प्रशासन ने सभी बिल्डरों को नोटिस भेजकर इस बारे में सूचित कर दिया है।

बिटक्वाइन की वैधानिकता पर शीर्ष कोर्ट ने केंद्र से पूछा यह लीगल है या नहीं?

नई दिल्ली ।

देश के सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से आभासी मुद्रा बिटक्वाइन का वैधानिकता को लेकर सवाल उठाते हुए पूछा कि वह इस पर अपनी स्थिति स्पष्ट करे। शीर्ष अदालत ने कहा कि सरकार यह स्पष्ट करे कि बिटक्वाइन लीगल है या नहीं। कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान बिट क्वाइन पर अपना रुख साफ करने को कहा। खास बात है कि आम बजट 2022 में भी केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने डिजिटल संपत्तियों पर कर लगने की बात कही थी। वित्त मंत्रालय के अनुसार, वर्चुअल डिजिटल परिसंपत्तियों के लिए विशेष कर प्रणाली लागू की गई। किसी भी वर्चुअल डिजिटल वाली आय पर कर था, 'वर्चुअल डिजिटल परिसंपत्तियों में अंतरणों में असाधारण बढ़ोतरी हुई है। परिसंपत्ति के हस्तांतरण से होने वाली आय पर कर दी दर 30 प्रतिशत होगी। वित्त मंत्री ने कहा था, 'वर्चुअल डिजिटल परिसंपत्तियों में अंतरणों में असाधारण बढ़ोतरी हुई है। इन अंतरणों की परिणाम और बारम्बारता के कारण यह आवश्यक हो गया है कि इसके लिए एक विशिष्ट कर व्यवस्था का उपबंध किया जाए।' उन्होंने आगे कहा, 'तदनुसार, वर्चुअल डिजिटल परिसंपत्तियों के कराधान के लिए, मैं इस बात का उपबंध करने के लिए प्रस्ताव करती हूं कि किसी भी वर्चुअल डिजिटल परिसंपत्ति के हस्तांतरण से हुई किसी भी आय पर 30 प्रतिशत दर से कर लिया जाएगा।'

संक्षिप्त समाचार

'रूस-यूक्रेन संकट से निजी उपयोग वाले बिजली घरों, उद्योगों को कोयले की आपूर्ति पर पड़ेगा असर'

नई दिल्ली। यूक्रेन और रूस के बीच सैन्य युद्ध से ऊर्जा के दाम वैश्विक स्तर पर बढ़े हैं। इससे बिजली संयंत्रों की कोयला आयात की प्रवृत्ति कम होगी। फलत- निजी उपयोग वाले बिजली संयंत्रों और इस्पात तथा एल्यूमीनियम जैसे उद्योगों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया से ईंधन की आपूर्ति पर और असर पड़ेगा। यह बात इंडियन कैप्टिव पावर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (आईसीपीपीए) ने कही है। संगठन के अनुसार वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संसाधनों की बढ़ती कीमतों के बीच बिजली उत्पादक अपनी मांग को पूरा करने के लिए घरेलू कोयले की आपूर्ति को लेकर सरकार पर दबाव डालेंगे। इससे बिजली के अलावा दूसरे क्षेत्रों में ईंधन की आपूर्ति पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। आईसीपीपीए के महासचिव राजीव अग्रवाल ने कहा, ÷रूस-यूक्रेन संकट के कारण वैश्विक स्तर पर ऊर्जा के दाम तेजी से बढ़े हैं। इससे कोयला और कोक का आयात करने के रुख में कमी आएगी। इससे निजी उपयोग के लिये बिजली घर चलाने वाले के साथ-साथ उद्योगों के लिए ईंधन की आपूर्ति प्रभावित होगी।'' गौरतलब है कि एल्युमीनियम, सीमेंट, स्टील, स्पंज-आयरन, कागज, उर्वरक, रसायन, रेयान और उनके बिजली घर (सीपीपी) जैसे उद्योग ज्यादातर घरेलू कोयले पर निर्भर हैं। अग्रवाल ने कहा, ÷पिछले छह-सात महीनों से हमें कोयले की बहुत कम आपूर्ति हो रही है। अब इस संकट के कारण बिजली संयंत्रों की आयात की प्रवृत्ति कम होगी। इसके कारण उद्योग रेल मार्ग के जरिये अधिक से अधिक कोयला देने के लिए सरकार पर दबाव डालेंगे। इससे निजी उपयोग वाले बिजली घरों और उद्योगों के लिए आपूर्ति प्रभावित होगी या चीजें सामान्य होने में और विलम्ब होगा।'' गैर-बिजली क्षेत्रों को कोयले की आपूर्ति केवल आठ प्रतिशत ही है और अभी भी गैर-नियमित क्षेत्र ईंधन की कमी का सामना कर रहे हैं।

स्पाइसजेट 10 मार्च से बैंकॉक की उड़ानें शुरू करेगी

नई दिल्ली। स्पाइसजेट ने शुक्रवार को कहा कि वह 10 मार्च और 17 मार्च को भारत और बैंकॉक के बीच छह उड़ानें शुरू करेगी। एयरलाइन ने एक बयान में कहा, एयरलाइन दिल्ली, मुंबई और कोलकाता को थाईलैंड की राजधानी से जोड़ने वाली दैनिक सीधी उड़ानें शुरू करेगी। कंपनी ने कहा कि इन सभी उड़ानों के संचालन के लिए बी-737 विमानों का इस्तेमाल किया जाएगा। कोलकाता-बैंकॉक और दिल्ली-बैंकॉक उड़ान 10 मार्च से शुरू होगी, जबकि मुंबई-बैंकॉक उड़ान 17 मार्च से शुरू की जाएगी।

सरकार ने रेमडेसिवीर के निर्यात पर रोक हटाई

नई दिल्ली । सरकार ने रेमडेसिवीर इंजेक्शन और इसमें उपयोग होने वाले प्रमुख रसायनों (एपीआई) के निर्यात पर रोक हटा ली है। कोविड-19 के घटते मामलों के बीच यह कदम उठाया गया है। इसके अलावा केंद्र ने आर्गेनिक एलईडी (लाइट एमिटिंग डॉयोड) और लिक्विड क्रिस्टल के निर्यात पर भी पाबंदी को समाप्त कर दिया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय ने अधिसूचना में कहा कि रेमडेसिवीर इंजेक्शन और एपीआई, एम्फोटेरिसिन-बी इंजेक्शन, एनोक्सापारिन (फॉर्मूलेशन और एपीआई) और इंट्रा-वेनस इम्युनोग्लोबुलिन (आईवीआईजी) (फॉर्मूलेशन और एपीआई) की निर्यात नीति को तत्काल प्रभाव से मुक्त कर दिया गया है। पिछले साल अप्रैल में देश में महामारी की स्थिति सुधरने तक कोविड-19 के इलाज में प्रभावी माने जाने वाले रेमडेसिवीर इंजेक्शन और उसके रसायन के निर्यात पर पाबंदी लगा दी गई थी।

मारुति सुजुकी ने एमएसआई बैंगलोर के साथ इनक्यूबेशन कार्यक्रम के विजेताओं की घोषणा की

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने शुक्रवार को स्टार्टअप के लिए अपने इनक्यूबेशन कार्यक्रम के पहले संस्करण के विजेताओं की घोषणा की। एमएसआई ने एक बयान में कहा कि विजेता स्टार्टअप - टू असिस्टिव, ईशिप्ज और हाइक्यूब वर्क्स हैं। मारुति सुजुकी इनक्यूबेशन कार्यक्रम (एमएसआईपी) उद्योगों के लिए उपयोगी समाधान तैयार करने और कारोबार बढ़ाने में स्टार्टअप की मदद करता है। यह कार्यक्रम भारतीय प्रबंधन संस्थान बैंगलोर के स्टार्टअप केंद्र एन एस राघवन उद्यमिता शिक्षण केंद्र (एनएसआरसीईएल) के साथ साझेदारी में संचालित किया जा रहा है। एमएसआई के प्रबंध निदेशक और सीईओ केनिची आयुकावा ने कहा कि गतिशीलता क्षेत्र को मजबूत करने के लिए एमएसआईपी के तहत हम ऊर्जावान स्टार्टअप को बढ़ावा देते हैं।

पॉपुलर कार बलेनो को मिली 25 हजार से ज्यादा बुकिंग

नई दिल्ली ।

जानी-मानी कंपनी मारुति सुजुकी की पॉपुलर कार बलेनो को लॉन्चिंग से पहले ही 25 हजार बुकिंग मिल चुकी हैं। बलेनो मारुति सुजुकी की सबसे ज्यादा बिकने वाली कारों में से एक बन गई है। इसकी कीमत 6.35 लाख (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है। इसके टॉप मॉडल की कीमत 9.49 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। इस बलेनो 2022 कार को जो बातें खास बनाती हैं, उनमें हेड-अप डिस्प्ले, सुजुकी कनेक्ट और 360 डिग्री व्यू कैमरा जैसे मिलने वाले फीचर्स हैं। जो को इस बजट में पहली बार मिलने जा रहे हैं। यह प्रीमियम हैचबैक सेगमेंट में आने वाली टाटा अल्ट्राज, हयूदै आई20 और होंडा जज को कड़ी टक्कर देगी। नई बलेनो को नई जनरेशन के हिसाब से डिजाइन किया गया है। इस कार के इंटीरियर में 9 इंच के एचडी टचस्क्रीन डिस्प्ले , हेड-अप डिस्प्ले , सुजुकी कनेक्ट और 360 डिग्री व्यू मिलने जा रहा है। जो मारुति सुजुकी की इस सेगमेंट में आने वाली किसी में कार में पहली बार देखने को मिलेंगे। यह फीचर्स इस कार को बेहद खास बनाते हैं।मारुति सुजुकी ने इसे 6 कलर ऑप्शन नेक्सा ब्ल्यू, लुक्से बैग, पर्ल अर्कटीक व्हाइट, स्पलेंडीड सिल्वर, ओपूलेंट रेडऔर ग्रांडेयूर ग्रे में पेश किया है। इसमें सेफ्टी के लिहाज से 6 एयर-बैग्स, एंटी-हिल कंट्रोल समेत ऐसे ही कई फीचर्स दिए गए हैं। 2022 मारुति न्यू बलेनो में सुजुकी लोगो, डीआरएल टेल लैंप और अलॉय व्हील्स की ब्रांडिंग के साथ व्यापक फ्रंट ग्रिल है। इसके अलावा इसमें 6 एयरबैग (ड्राइवर, को-ड्राइवर, साइड और कर्टन), हिल होल्ड असिस्ट के साथ इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम (ईएसपी), ईबीडी के साथ एबीएस, हाई-स्पीड अलर्ट सिस्टम, ड्राइवर और कंपनी जैसी 20 से ज्यादा सेफ्टी फीचर्स से लैस है।

इसमें ड्राइवर सीटबेल्ट रिमाइंडर, एलईडी फोग्लैम्प्स, हाई टेन्साइल और अल्ट्रा हाई टेन्साइल स्टील का इस्तेमाल देखने को मिलता है।

कच्चा तेल नरमी के बावजूद 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर, भारत के लिए चुनौती बरकरार

बिजनेस डेस्क।

अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड के भाव सात साल के उच्चतम स्तर से शुक्रवार को नीचे आ गए लेकिन अभी भी 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर है, यह भारत की मुद्रास्फीति एवं चालू खाता घाटे के लिए चुनौतीपूर्ण है। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद बृहस्पतिवार को ब्रेंट क्रूड 105 डॉलर प्रति बैरल को भी पार कर गया था। इस तनावपूर्ण स्थिति के बावजूद तेल की आपूर्ति पर कोई खतरा नहीं पड़ने की संभावना से आज इसके भाव में नरमी देखी गई। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब समेत पांच राज्यों में जारी विधानसभा चुनाव के नतीजे 10 मार्च को आने वाले हैं और उसके बाद घरेलू स्तर पर पेट्रोल एवं डीजल के दाम में तीव्र बढ़ोतरी देखी जा सकती है। दरअसल नवंबर 2021 की शुरुआत से ही पेट्रोलियम उत्पादों के दाम स्थिर बने हुए हैं। तेल कीमतों के प्रस्तावित वृद्धि के बारे में केंद्र सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा, सरकार हालात पर करीबी निगाह बनाए हुए है और जब जरूरत महसूस होगी तब समुचित कदम उठाएगी। शुक्रवार को कारोबार के दौरान ब्रेंट क्रुड 101 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर दर्ज किया गया। एक तेल कारोबारी ने कहा कि मौजूदा हालात में तेल कीमतों पर जोखिम से जुड़ा 10-15 डॉलर प्रति बैरल का प्रीमियम है। उद्योग सूत्रों ने कहा कि पेट्रोल एवं डीजल की खुदरा कीमतों और इन पर आने वाली लागत में करीब 10 रुपये का फासला है और चुनावों के बाद तेल कीमतों में वृद्धि से मुद्रास्फीति दर पर दबाव देखा जाएगा। मुद्रास्फीति पहले ही आरबीआई के छह प्रतिशत के संतोषजनक स्तर से ऊपर चल रही है। प्रतिशत के संतोषजनक स्तर से ऊपर चल रही है। इसके अलावा अपनी तेल जरूरतों का 85 प्रतिशत आयात से पूरा करने वाले भारत के चालू खाता घाटे पर भी ऊंची तेल कीमतों की मार पड़ेगी। इसकी वजह यह है कि देश को कच्चे तेल की बढ़ी हुई दरों पर भुगतान करना होगा और उसका आयात बिल बढ़ जाएगा। मॉर्गन स्टैनली ने कहा कि तेल कीमतों में वृद्धि दुनिया के तीसरे बड़े तेल आयातक भारत के नजरिये से नकारात्मक है। ग्रेट ईस्टर्न एनर्जी कॉर्प लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी प्रशांत मोदी ने कहा कि हाइड्रोकार्बन की उपलब्धता वैश्विक स्तर पर एक बड़ी समस्या बन सकती है। उन्होंने कहा कि यह संकट घरेलू स्तर पर तेल एवं गैस उत्पादन को बढ़ावा देने की जरूरत को फिर से रेखांकित करता है। एक्यूट रेटिंग्स एंड रिसर्च के मुख्य विश्लेषण अधिकारी सुमन चौधरी ने कहा कि कोविड महामारी के संकट से उबरने में जुटी विश्व अर्थव्यवस्था के सामने अब यूक्रेन संकट के रूप में नई चुनौती आ गई है। उन्होंने आशंका जताई कि इस संकट के लंबा खिंचने की स्थिति में कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर ही टिका रह सकता है।

लगातार तीसरे वित्त वर्ष में नीचे आएगी दोपहिया वाहनों की बिक्री: क्रिसिल

नई दिल्ली। देश में दोपहिया वाहनों की बिक्री में चालू वित्त वर्ष में आठ से दस प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। ग्रामीण इलाकों में मांग में कमी, त्योहारी सीजन में कम बिक्री, उच्च कीमतें और उपभोक्ताओं की नजर इलेक्ट्रिक वाहनों पर होने से दोपहिया वाहनों बिक्री में गिरावट आने के आसार हैं। क्रिसिल रेटिंग ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। घरेलू रेटिंग एजेंसी ने एक बयान में कहा कि निचले आधार प्रभाव की वजह से चालू वित्त वर्ष में बिक्री की गिरावट का अनुमान पहले से था। वर्ष 2021 में दोपहिया वाहनों की बिक्री में 13 प्रतिशत और 2020 में 18 प्रतिशत की कमी आई थी। एजेंसी ने कहा कि पिछले एक दशक से अधिक समय में ऐसा पहली बार है, जब दोपहिया वाहनों की बिक्री लगातार तीन वित्त वर्षों में घट रही है। वही दोपहिया वाहनों की बिक्री में दो-तिहाई हिस्सा रखने वाली मोटरसाइकलों की बिक्री में इस वित्त वर्ष में लगभग आठ से नौ प्रतिशत की गिरावट देखी जा सकती है। क्रिसिल रेटिंग्स के वरिष्ठ निदेशक अनुज सेठी ने कहा, ''कोरोना की दूसरी और तीसरी लहर तथा फसल में हुई देरी ने इस वित्त वर्ष में दोपहिया वाहनों की ग्रामीण मांग को प्रभावित किया है। इसके अलावा वाहन और ईंधन की कीमतों में वृद्धि ने भी ग्रामीण मांग को प्रभावित किया है।''

फायरफॉक्स ने पेश की ग्रेवल साइकिल की नई रेंज

मुंबई ।

घरेलू बाजार में फायरफॉक्स बाइक्स ने ग्रेवल साइकिल की नई रेंज पेश की है। कंपनी ने इस वैरी स्पेशल साइकिल के दो मॉडल पाइरेट 3.0 और पाइरेट 4.0 को बाजार में उतारे हैं। ये साइकिल आपको रफ-टफ रास्तों पर भी ले जाने के लिए तैयार है। ग्रेवल रेंज की शुरुआती कीमत 37,900 है। इसमें बहुत लुभावने ग्राफिक्स और पेंट स्कीम दी गई है। कंपनी ने इसे डीलर नेटवर्क पर उपलब्ध कराया है। इसके अलावा इसे वेबसाइट पर ऑनलाइन बुकिंग के जरिए खरीदा जा सकता है। कंपनी ने इसे इस तरह से डिजाइन किया है कि ऊंचाई पर चढ़ने के दौरान इसकी परफारमेंस में कोई कमी नहीं आएगी। इसमें साइकिल सवार सीधे हैंडलबार, ड्रॉप हैंडलबार को चुन सकते हैं। यह साइकिल वजन में हल्की है, इससे इसकी स्पीड बहुत शानदार है। इसके दोनों मॉडल पाइरेट 3.0 और पाइरेट 4.0 एक आम साइकिल के अपेक्षा ज्यादा मजबूत हैं। नई रेंज की लॉन्चिंग के मौके पर फायरफॉक्स बाइक्स के सीईओ श्रीराम सुंदरसन ने कहा कि हम इन साइकिल को बाजार में लाकर बेहद उत्साहित हैं। ग्रेवल बाइक्स के लॉन्चिंग के साथ हमारा टारगेट प्रीमियम बाइकिंग सेगमेंट में अपने को और मजबूत करना है। में पेश की गई हैं। इन्हें परफोर्मेंस, ड्यूरेबिलिटी और सेफ्टी पर ध्यान रखते हुए डिजाइन किया गया है। फायरफॉक्स साइकिल प्रीमियम रेंज में पेश की गई हैं। इन्हें परफोर्मेंस, ड्यूरेबिलिटी और सेफ्टी पर ध्यान रखते हुए डिजाइन किया गया है। कंपनी ने इसे देश के 500 से अधिक दुकानों पर रिटेल बिक्री के लिए उपलब्ध कराया है।

सेबी ने मौजूदा कारोबारी, डीमैट खाताधारकों को नामांकन का विकल्प देने को और समय दिया

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मौजूदा कारोबारी और डीमैट खाताधारकों को नामांकन का विकल्प देने या इससे बाहर निकलने की समयसीमा को बढ़ाकर अगले साल मार्च तक कर दिया है। सेबी ने जुलाई, 2021 में सभी पात्र ट्रेडिंग और डीमैट खाताधारकों को नामांकन के विकल्प के बारे में 31 मार्च, 2022 तक बताने को कहा था। ऐसा नहीं होने पर नियामक ने उनके खातों को डेबिट के लिए फ्रीज (रोक लगाने) करने की बात कही थी। नियामक ने बृहस्पतिवार को जारी परिपत्र में कहा कि विभिन्न अंशधारकों से मिले ज्ञापनों के बाद इस मामले में अब खातों पर रोक लगाने का प्रावधान 31 मार्च, 2023 से लागू होगा। नियामक ने कहा कि जिन खाताधारकों ने जुलाई के परिपत्र से पहले नामांकन दे दिया है उनके लिए इसे दोबारा देना वैकल्पिक होगा।

टी20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बने चहल

लखनऊ । स्पिनर युजवेंद्र चहल ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 में एक विकेट लेते ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही चहल टी20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गये हैं। चहल के टी20 अंतरराष्ट्रीय में कुल 67 विकेट हो गए हैं। वहीं बुमराह ने 55 पारियों में कुल 66 विकेट लिए हैं। वहीं आर अश्विन 61 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं। इसके अलावा अन्य कोई भारतीय गेंदबाज 60 विकेट के तक नहीं पहुंच पाया है। चहल ने इससे पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ भी टी20 सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था उन्हें 2 मैच में खेलने का मौका मिला था। पहले मैच में उन्होंने 34 रन देकर एक विकेट जबकि दूसरे मैच में 31 रन देकर एक विकेट लिया था। उनके ओवरऑल टी20 करियर की बात करें तो वे 222 पारियों में 25 की औसत से 246 विकेट लिए हैं। इकोनॉमी 7.57 की है। वे वनडे की 60 पारियों में 104 विकेट लिए हैं।

ग्रास कोर्ट पर डेनमार्क के खिलाफ भारत प्रबल दावेदार रहेगा : रोहित राजपाल

नई दिल्ली ।

भारत के गैर खिलाड़ी कप्तान रोहित राजपाल का मानना है कि डेनमार्क के खिलाफ चार और पांच मार्च को यहां दिल्ली जिमखाना क्लब में ग्रास कोर्ट पर होने वाले डेविस कप विश्व ग्रुप प्लेऑफ एक मुकाबले में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा। राजपाल ने दिल्ली जिमखाना क्लब में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'रामकुमार रामनाथन ग्रास कोर्ट पर सर्व और वॉली का बढ़िया गेम खेलते हैं जबकि युकी भाम्बरी को ग्रास कोर्ट पसंद है। युगल विशेषज्ञ रोहन बोपन्ना ग्रास कोर्ट के महारथी हैं। हमें साथ ही डेनमार्ट की सहजता और असहजता को भी देखना था। डेनमार्ट के खिलाड़ी ग्रास कोर्ट पर रामकुमार के सामने सहज महसूस नहीं कर सकते। संवाददाता सम्मेलन में अखिल भारतीय टेनिस संघ के अध्यक्ष और डेविस कप आयोजन समिति के अध्यक्ष अनिल जैन, दिल्ली जिमखाना क्लब के प्रशासक और आयोजन समिति के सह अध्यक्ष ओम पाठक और टूर्नामेंट निदेशक आदित्य खन्ना भी मौजूद थे। राजपाल ने साथ ही कहा, 'हमारे पास इस बार जीतने का अच्छा मौका है। हालांकि हम किसी टीम को हलके में नहीं ले रहे लेकिन हमें अपने कोर्ट पर अपने दर्शकों के सामने खेलने का पूरा फायदा रहेगा। वैसे भी भारत पारम्परिक तौर पर ग्रास कोर्ट पर अच्छा खेलता है। भारत लगभग 50 साल बाद दिल्ली जिमखाना क्लब में डेविस कप की मेजबानी करने जा रहा है। सितम्बर 1984 के बाद से भारत और डेनमार्क के बीच यह पहला मुकाबला होगा। भारत ने 1984 में आरहूस में डेनमार्क के दोनों के बीच पहला मुकाबला 1927 में हुआ था। खिलाफ 3-2 से जीत दर्ज की थी। दोनों के बीच पहला मुकाबला 1927 में हुआ था। तब डेनमार्क ने कोपेनहेगन में क्वार्टरफाइनल में भारत को 5-0 से हरा दिया था। भारत को तीन साल बाद घरेलू मुकाबले की जिम्मेदारी सौंपी गई है जबकि दिल्ली पांच साल से ज्यादा समय के बाद डेविस कप मुकाबले की मेजबानी कर रही है।

एफआईएच प्रो लीग 2022 सत्र में भारतीय महिलाओं के प्रदर्शन के लिए महत्वपूर्ण : कप्तान सविता

भुवनेश्वर ।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता का मानना है कि मौजूदा एफआईएच प्रो लीग टीम के लिए इस साल के 2 महत्वपूर्ण टूर्नामेंट - विश्व कप और हांगजोऊ एशियाई खेल - की तैयारियों के लिए बेहतरीन मंच प्रदान करेगी। एशियाई खेल 2024 में होने वाले पेरिस ओलिम्पिक के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी हैं। भारतीय महिलाओं ने एफआईएच प्रो लीग में शानदार पदार्पण किया और इस साल के शुरू में ओमान के मस्कट में शुरूआती दो चरण के मुकाबले में चीन को 7-1 और 2-1 से हराया। भारतीय कप्तान सविता ने कहा कि एफआईएच प्रो लीग में शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलना 2022 के महत्वपूर्ण वर्ष से पहले उनके खेल का उचित आकलन होगा। इसी वर्ष बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल भी होंगे। उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य ध्यान हमारे अपने प्रदर्शन पर है। हम लंबे समय से प्रो लीग में खेलने का इंतजार कर रहे थे क्योंकि हमें इसें दुनिया की शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा। सविता ने स्पेन के खिलाफ दूसरे एफआईएच प्रो लीग मुकाबले से पहले वर्चुअल कहा कि इससे हमें महत्वपूर्ण सत्र से पहले अपनी मजबूती और कमजोरियों के बारे में सही अंदाजा हो जाएगा।

लिएंडर पेस पर घरेलू हिंसा के आरोप साबित, पूर्व साथी रिया पिल्लई ने दी थी शिकायत

मुंबई । मजिस्ट्रेट अदालत ने टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस को अपनी पूर्व साथी रिया पिल्लई के खिलाफ घरेलू हिंसा करने का दोषी माना है। मॉडल-अभिनेत्री रिया पिल्लई ने 2014 में लिएंडर पेस के खिलाफ घरेलू हिंसा का मामला दर्ज कराया था। अदालत ने लिएंडर पेस को रिया पिल्लई को 1 लाख रुपए के मासिक रखरखाव के अलावा 50,000 रुपए का मासिक किराया देने का निर्देश दिया। मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोमलसिंह राजपूत ने यह ऑर्डर जारी किए हैं। रिया पिल्लई ने 2014 में घरेलू हिंसा कानून के तहत अदालत का दरवाजा खटखटाया था। अपनी शिकायत में रिया ने कहा था कि वह 8 साल से लिएंडर पेस के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में थीं। उसने दावा किया था कि लिएंडर पेस ने उनका मौखिक, भावनात्मक और आर्थिक शोषण किया। मजिस्ट्रेट ने अपने आदेश में कहा है कि यह साबित होता है कि पेस ने घरेलू हिंसा की। पेस को रिया पिल्लई को 1 लाख के मासिक रखरखाव के अलावा, 50,000 का मासिक किराया भी देना होगा। अदालत ने कहा कि अगर वह अपने साझा निवास (बांद्रा में) में रहना जारी रखती है, तो वह मौद्रिक राहत के लिए हकदार नहीं होगी। बता दें कि लिएंडर पेस इन दिनों बॉलीवुड अभिनेत्री किम शर्मा के साथ दिख रहे हैं। बीते साल ही पेस ने किम के साथ एक बीच पर कुछ फोटोज शेयर की थी।

रणजी ट्रॉफी : शुभम और रघुवंशी के शतकों से मध्य प्रदेश मजबूत स्थिति में पहुंचा

राजकोट ।

शुभम शर्मा की स्ट्रोक्स से भरी 111 रन और अक्षत रघुवंशी की 100 रन की पारी से मध्य प्रदेश शुक्रवार को यहां रणजी ट्राफी के एलीट ग्रुप ए मुकाबले के दूसरे दिन यहां मेघालय के खिलाफ मजबूत स्थिति में पहुंच गया। मेघालय को महज 61 रन के स्कोर पर समेटने के बाद मध्य प्रदेश ने पहली पारी छह विकेट पर 499 रन के विशाल स्कोर पर घोषित की जिसमें फॉर्म में चल रहे शुभम शर्मा और रघुवंशी के शतकों का अहम योगदान रहा। अनुभवी रजत पाटीदार और यश दुबे ने भी क्रमशः 86 और नाबाद 85 रन का योगदान दिया। मध्य प्रदेश ने सुबह दो विकेट पर 141 रन के स्कोर से खेलना शुरू किया जिसके बाद शुभम शर्मा ने मेघालय के कमजोर गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाते हुए 169 गेंद की पारी के दौरान 15 चौके लगाए। पाटीदार ने भी इस तरह बल्लेबाजी की और 12 चौके जड़ित पारी से तीसरे विकेट के लिये 131 रन की भागीदारी निभाई। इसके बाद शुभम और पाटीदार के आउट होने से टीम का स्कोर चार विकेट पर 297 रन था। कप्तान आदित्य श्रीवास्तव (42 रन) ने भी अच्छा योगदान दिया। फिर रघुवंशी और यश दुबे क्रीज पर थे।

रघुवंशी ने अपनी पारी में 12 चौके और एक छक्का जमाया जबकि दुबे ने नाबाद पारी में 10 चौके और दो छक्के जड़े। दोनों ने

छठे विकेट के लिये 160 रन की भागीदारी निभायी। रघुवंशी के आउट होने के बाद मध्य प्रदेश ने पारी घोषित कर दी। मेघालय ने स्टंप तक दूसरी पारी में बिना विकेट गंवाये 16 रन बना लिये थे। ग्रुप के एक अन्य मैच में हेत पटेल (185) और करण पटेल (120) के शतकों से पहली पारी में बनाए गए गुजरात के 388 रन के जवाब में केरल ने स्टंप तक चार विकेट गंवाकर 277 रन बना लिए। हालांकि केरल अब भी पहली पारी के आधार पर 111 रन से पिछड़ रही है। उसके लिए रोहन कुन्नुमल ने 129 और सचिन बेबी ने 53 रन की पारियां खेलीं।

संक्षिप्त समाचार

रणजी ट्रॉफी : विदर्भ के इस बल्लेबाज ने ठोका दोहरा शतक, पारी में लगाए चौके-छक्के

स्पोर्ट्स डेस्क । महाराष्ट्र के खिलाफ खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप जी के मुकाबले में विदर्भ के बल्लेबाज गणेश सतीश ने दोहरा शतक लगा दिया है। उनकी इस पारी की बदौलत टीम पहली इनिंग में 5 विकेट के नुकसान पर 569 रन बना सकी। विदर्भ ने टॉप जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। टीम की शुरूआत खराब रही और मात्र 18 रन पर दो विकेट गिर गए। पहले पांच रन पर संजय रघुनाथ (3) विकेट गंवा बैठे जबकि इसके बाद कप्तान एफ फजल (14) रन की पारी खेलकर पवेलियन की और चल दिए। इसके बाद गणेश सतीश की मैदान पर एंट्री हुई और उन्होंने तीसरी विकेट के लिए अथर्व तैदे के साथ मिलकर 177 रन की साझेदारी की। अथर्व 63वें ओवर की पांचवीं गेंद पर 68 रन बनाकर आउट हो गए जबकि सतीश क्रीज पर टिके रहे और उन्होंने विकेटकीपर अक्षय वाडकर के साथ 288 रन की पारी खेली और आउट होने से पहले कुल 275 रन बनाए जिसमें 33 चौके और 5 छक्के शामिल थे। इस दौरान उन्होंने 482 गेंदों का सामना किया। हालांकि सतीश एसएस बचाव के हाथों बोल्ड हो गए लेकिन इस पारी से वह सबकी नजरों में जरूर आ गए। वहीं अक्षय कर्णवार के 39 रन पर आउट होने के बाद टीम ने 537 रन पर पारी घोषित की। वहीं महाराष्ट्र ने पहली पारी में एक विकेट गंवाकर 46 रन बना लिए हैं।

साहा की बढ़ सकती हैं मुश्किलें , बीसीसीआई दे सकती है नोटिस

मुम्बई । टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के साथ हुई बातचीत को सार्वजनिक करने के कारण साहा से नाराज बताया जा रहा है। इस मामले में बीसीसीआई साहा से जवाव मांग सकती है। इससे पहले साहा ने अपने एक बयान में कहा था कि , द्रविड़ और प्रबंधन ने उन्हें संन्यास लेने को कहा था। अब यही बयान साहा की परेशानी बढ़ा रहा है क्योंकि वो बीसीसीआई की केन्द्रीय अनुबंध सूची में शामिल हैं और उनका यह बयान प्रोटोकॉल का उल्लंघन माना जा रहा है। गौरतलब है कि साहा 3 करोड़ रुपये की वार्षिक रिटेनरशिप के साथ ग्रुप बी में हैं जिसके एक प्रावधान 6.3 का साहा ने उल्लंघन किया है। खिलाड़ियों के इस अनुबंध में 6.3 में कहा गया है, 'कोई भी खिलाड़ी खेल, अधिकारियों, खेल में हुई घटनाओं, तकनीक के इस्तेमाल, चयन नीति या खेल से संबंधित किसी भी अन्य मामले के बारे में कोई टिप्पणी नहीं करेगा, जो बीसीसीआई की राय या खेल और टीम के हित में भी नहीं हो।' वहीं बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष अरुण धूमल ने कहा, 'हां, इस बात की संभावना है कि बीसीसीआई साहा से पूछ सकती है कि एक केंद्रीय अनुबंधित क्रिकेटर होने के नाते उन्होंने चयन के मामलों पर हुई बात को सार्वजनिक क्यों किया। साथ ही कहा कि उन्हें इस मामले में नोटिस दिया जाएगा या औपचारिक रुप से पूछताछ होगी। अभी ये तय नहीं हुआ है।

धर्मशाला टी-20 को लेकर आई बुरी खबर, मौसम ने बिगाड़ा काम

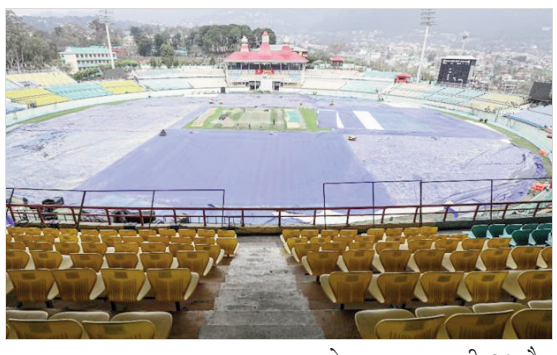

खेल डैस्क ।

भारत और श्रीलंका के बीच धर्मशाला में होने वाले दूसरे टी-20 आई में बारिश विलेन बन सकती है। धर्मशाला में शनिवार को बारिश होने की संभावना है ऐसे में मैच भी धुलने की उम्मीद है। टीम इंडिया लखनऊ के मैदान पर खेला गया पहला टी-20 मैच 62 रनों से जीत चुकी है। टीम इंडिया ने इस मैच में अपनी बेंच स्ट्रैंथ को भी परखा था। भुवनेश्वर कुमार, जसप्रीत बुमराह, हर्षल पटेल, युजवेंद्र चहल के अलावा वेंकटेश अय्यर, दीपक हुड्डा और रविंद्र जडेजा ने भी गेंदबाजी की। पिछली बार जब भारत धर्मशाला में अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने आया था तो बारिश ने टॉस के लिए सिक्का उछालने की भी इजाजत नहीं दी थी। शनिवार को भी बारिश खेल में बाधा डाल सकती है। आखिरी बार धर्मशाला में टी-20 अंतरराष्ट्रीय 2016 में खेला गया था तो ऐसे में पिच के बारे में अंदाजा लगाना मुश्किल रहेगा। लेकिन यहां तेज हवाओं के कारण गेंदबाजों को फायदा होना तय है। भारत (संभावित) : 1 रोहित शर्मा (कप्तान), 2 ईशान किशन (वि), 3 श्रेयस अय्यर, 4 संजू सैमसन, 5 दीपक हुड्डा, 6 वेंकटेश अय्यर, 7 रवींद्र जडेजा, 8 हर्षल पटेल, 9 भुवनेश्वर कुमार, 10 जसप्रीत बुमराह, 11 युजवेंद्र चहल। श्रीलंका (संभावित) : 1 दनुष्का गुणथिलका, 2 पथुम निसानका, 3 चरित असलंका, 4 जनिथ लियानागे, 5 निरोशन डिकवेला (विकेटकीपर), 6 दासुन शनाका (कप्तान), 7 चमिका करुणारत्ने, 8 दुष्मंथा चमीरा, 9 जेफरी वेंडरसे, 10 प्रवीण जयविक्रमा, 11 लाहिरु कुमारा। टी-20 विश्वकप में न्यूजीलैंड से हारने के बाद से अब तक भारत ने लगातार 10 टी-20 में जीत दर्ज की है और अपने ही सबसे लंबे विनिंग स्ट्रीक की बराबरी कर ली है ।

जबकि टी-20 इतिहास की सबसे लंबी विनिंग स्ट्रीक का रिकॉर्ड इस समय अफगानिस्तान और रोमानिया के नाम है, इन दोनों ही देशों के नाम लगातार 12 टी-20 जीत का रिकॉर्ड दर्ज है। भारत में श्रीलंका ने 16 टी20 खेले हैं और उनमें उन्हें 12 मैचों में हार मिली है।

बीसीसीआई ने आईपीएल के 15 वें सत्र के लिए टीमों को दो समूहों में बांटा

मुंबई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2022 सत्र के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बड़ा बदलाव करते हुए टीमों को दो ग्रुप में बांटा है। इस सत्र में सभी 10 टीमें 14 लीग मैच खेलेंगी। इसमें प्रत्येक टीम को पांच टीमों के खिलाफ दो और चार टीमों के खिलाफ एक-एक मैच खेलना होगा। बीसीसीआई ने सबसे ज्यादा खिताब जीतने वाली टीमों मुंबई और चेन्नई को दोनों समूहों की शीर्ष टीम बनाया है। मुंबई को जहां कोलकाता नाइट राइडर्स, राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। वहीं चेन्नई को सनराइजर्स हैदराबाद, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। बीसीसीआई की ओर से टीमों द्वारा आईपीएल खिताब जीत की संख्या और फाइनल खेलने की संख्या को देखते हुए सीडिंग आधार पर ग्रुप बनाए हैं। बीसीसीआई के मुताबिक पांच बार का आईपीएल मुंबई इंडियंस अपने ग्रुप की चार टीमों कोलकाता, राजस्थान, दिल्ली और सुपर जायंट्स के खिलाफ दो-दो मैचों के अलावा दूसरे ग्रुप की टीम चेन्नई के खिलाफ दो तथा हैदराबाद, बेंगलुरु, पंजाब और गुजरात के साथ एक-एक मैच खेलेगा। वहीं इसी तरह गत विजेता चेन्नई सुपर किंग्स अपने ग्रुप में हैदराबाद, बेंगलुरु, पंजाब और गुजरात के साथ दो-दो मैचों के अलावा मुंबई के साथ दो तथा कोलकाता, राजस्थान, दिल्ली और सुपर जायंट्स के खिलाफ एक-एक मैच खेलेगा। कोरोना वायरस से बचाव के कारण बायो-सिक्योर बबल में खेला जाएगा। इसके अलावा हवाई यात्राओं से बचने के लिए लीग स्टेज के सभी 70 मुकाबले 2 शहरों मुंबई और पुणे में आयोजित किए जाएंगे। इस बार आईपीएल में 8 के बजाए 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इसलिएबीसीसीआई ने सभी 10 टीमों को अलग-अलग दो ग्रुप में बांटा है। हर ग्रुप में 5 टीमें हैं। बीसीसीआई के कार्यक्रम के मुताबिक, हर टीम अपने-अपने ग्रुप की बाकी टीमों के साथ 2-2 मुकाबले खेलेगी. जबकि दूसरे ग्रुप की एक टीम के साथ 2 और बाकी बची टीमों के साथ एक-एक मैच ही खेलेगी। बीसीसीआई के अनुसार चेन्नई सुपर किंग्स को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के साथ ग्रुप-बी में रखा गया है। वहीं मुंबई इंडियंस को ग्रुप-ए में रखा गया है। मुंबई के साथ ग्रुप-ए में कोलकाता नाइट राइडर्स, राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स भी शामिल है।

रोहित , शार्दुल और सूर्यकुमार को सम्मानित करेगा एमसीए

मुम्बई । मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने तीनों प्रारुपों के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान बने रोहित शर्मा को सम्मानित करने का फैसला किया है। रोहित घरेलू क्रिकेट में मुम्बई से खेलते हैं। एमसीए के एक सदस्य ने कहा, 'शीर्ष परिषद बैठक में रोहित को सभी तीनों प्रारूपों का कप्तान बनने पर सम्मानित करने का फैसला किया गया। रोहित के अलावा अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी को भी एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। वहीं इसके साथ ही एमसीए भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर और बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को भी सम्मानित करेगी। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर और बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को भी सम्मानित करेगी। एसोसिएशन ने कहा कि आईपीएल 2022 से पहले सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पृथ्वी शॉ और सरफराज खान भी सम्मानित होंगे।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंकाई टीम घोषित, इन बड़े चेहरों की वापसी

कोलंबो ।

श्रीलंका क्रिकेट चयन समिति ने शुक्रवार को भारत के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 18 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। सीरीज का पहला मैच पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन आईएस बिंद्रा स्टेडियम, मोहाली में चार से आठ मार्च तक खेला जाएगा, जबकि दूसरा मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 12 से 16 मार्च के बीच खेला जाएगा जो डे-नाइट टेस्ट होगा। चोटिल कुशल मेंडिस को टीम में शामिल किया गया है, लेकिन वह पूरी तरह फिट होने पर ही मैच खेल सकेंगे। उन्हें हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें और आखिरी टी-20 के दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट का सामना करना पड़ा था। रमेश मेंडिस भी टीम के सदस्य हैं, लेकिन वह चोट के कारण एकादश का हिस्सा नहीं लेंगे। दिमुथ करुणारत्ने (कप्तान), पथुम निसांका, लाहिरु थिरिमाने, धनंजय दी सिल्वा (उप कप्तान), कुशल मेंडिस (फिटनेस के अधीन), एंजेलो मैथ्यूज, दिनेश चांदीमल, रमेश मेंडिस (चोट के कारण भाग नहीं लेंगे), चरित असलंका, निरोशन डिकवेला, चमिका करुणारत्ने, लाहिरू कुमारा, सुरंगा लकमल, दुष्मंता चमीरा, विश्वा फर्नांडो, जेफरी वांडरसे, प्रवीण जयविक्रमा, लसिथ एम्बुलडेनिया।

26 मार्च से शुरु होगा आइपीएल , सभी लीग मुकाबले मुम्बई में ही होंगे

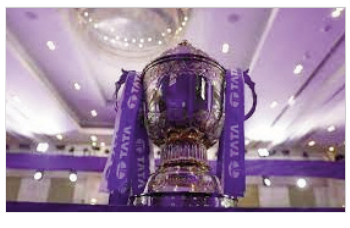

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र का मुकाबला 26 मार्च से खेला जाएगा। वहीं इसका खिताबी मुकाबला 29 मई को होगा। ब्रजेश पटेल की अध्यक्षता में हुई आइपीएल गवर्निंग कार्उसिल की बैठक में इसके कार्यक्रम पर फैसला हुआ। वहीं बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने वर्चुअल तरीके से इसमें भाग लिया। गवर्निंग काउंसिल की इस बैठक में तय हुआ कि सभी लीग मुकाबले मुंबई में ही खेले जाएंगे। वहीं प्लेऑफ मुकाबले के स्थान को लेकर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। इस बार आईपीएल में आठ की जगह दस टीमें नजर आयेंगी। लखनऊ सुपर जॉयंट्स और गुजरात टाइटंस को पहली बार मौका मिला है। ऐसे में इस बार 60 की जगह 74 मुकाबले खेले जाएंगे। यानी 14 मैच अधिक होंगे. फाइनल मुकाबला 29 मई को खेला जाएगा। वहीं बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला के अनुसार आइपीएल के दौरान स्टेडियम में 25 से 50 फीसदी दर्शकों को आने की अनुमति दी जाएगी पर इस दौरान कोविड-19 के लिए सरकार के दिये दिशा-निर्देशों का पालन किया जाएगा। टूर्नामेंट खाली स्टेडियम में नहीं होगा। इस दौरान खेले जाने वाले कुल 70 लीग मैचों में से से 55 मैच मुंबई में जबकि 15 मैच पुणे में खेले जाएंगे। ये सभी मुकाबले चार स्टेडियमों में खेले जाएंगे जिसमें 20 मैच वानखेड़े स्टेडियम, 15 मैचों का आयोजन ब्रेबान स्टेडियम, 20 मुकाबले डीवाई पाटिल स्टेडियम में जबकि 15 मैचों का आयोजन महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन मैदान, पुणे में होगा।

गुलाब की खेती

भूमिका

गुलाब अपनी उपयोगिताओं के कारण सभी पुष्पों में महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। आमतौर पर गुलाब का पौधा ऊंचाई में 4-6फुट का होता है। तने में असमान कांटे लगे होते हैं। गुलाब की 5 पत्तियां मिली हुई होती है। बहुत मात्रा में मिलने वाला गुलाब का फूल गुलाबी रंग का होता है। गुलाब का फल अंडाकार होता है। इसका तना कांटेदार, पत्तियां बारी-बारी से घेरे में होती है। पत्तियों के किनारे दांतेदार होती है। फल मांसल बेरी की तरह होता है जिसे 'रोज हिप' कहते हैं। गुलाब का पुष्पवृन्त कोरिम्बोस, पेनीकुलेट या सोलिटरी होता है।

गुलाब एक भारतीय पुष्प है। पूरे भारत में गुलाब के पौधे पाए जाते हैं। गुलाब का वैज्ञानिक नाम रोजा हाइब्रिडा है। देशी गुलाब लाल रंग का होता है। परन्तु कलम करके कई रंगो के गुलाब उगाए जाते हैं। गुलाब एक ऐसा फूल है, जिसके बारे में सब जानते हैं। गुलाब का फूल दिखने में जितना अधिक सुन्दर होता है। उससे कहीं ज़्यादा उसमें औषधीय गुण होते हैं। यह सबसे पुराना सुगन्धित पुष्प है, जो मनुष्य के द्वारा उगाया जाता था। इसके विभिन्न प्रकार के सुन्दर फूल जो कि आर्कषक, आकृति, विभिन्न आकार, मन को लुभाने वाले रंगों और अपने विभिन्न उपयोगिताओं के कारण एक महत्त्वपूर्ण पुष्प माना जाता है।

गुलाब की उपज भूमि की उर्वरा शक्ति फसल की देखरेख एवं प्रजातियों पर निर्भर करती हैढ्ढ फूलों का गुण हैं खिलना, खिल कर महकना, सुगंध बिखेरना, सौंदर्य देना और अपने देखने वाले को शांति प्रदान करना। फूलों की इस खूबसूरत दुनिया में गुलाब का एक ख़ास स्थान है क्योंकि इसे सौंदर्य, सुगंध और खुशहाली का प्रतीक माना गया है। तभी तो इसे 'पुष्प सम्राट' की संज्ञा दी गयी है और 'गुले-आप', यानी फूलों की रौनक भी कहा गया है। इस की भीनीभीनी मनमोहक सुगंध, सुन्दरता, रंगों की विविध किस्मों के कारण हर प्रकृति प्रेमी इसे अपनाना चाहता है।

भारत में गुलाब हर जगह उगाया जाता है। बागबगीचों, खेतों, पार्कों, सरकारी व निजी इमारतों के अहातों में, यहाँ तक कि घरों की ग्रह-वाटिकाओं की क्यारियों और गमलों में भी गुलाब उगा कर उस का आनंद लिया जाता है। गुलाब पूरे उत्तर भारत में, खासकर राजस्थान में तथा बिहार और मध्य प्रदेश में जनवरी से अप्रैल तक खूब खिलता है। दक्षिण भारत में खासतौर पर बंगलौर में और महारास्ट्र और गुजरात में भी गुलाब की भरपूर खेती होती है।

गुलाब को घर पर गमले में खिड़की की मंजूषा में, रसोई बगीचे की क्यारी में, आँगन में उगाने के लिए पर्याप्त धूप का होना एक आवश्यक शर्त है। गुलाब को दिन में कम से कम छः से आठ घंटे की खुली धूप होना आवश्यक है। गुलाब के पौधों के लिए पर्याप्त जीवांशयुक्त मिट्टी अच्छी होती है। बहुत चिकनी मिट्टी इसके अनुकूल नहीं होती है। मिट्टी का जल निकास और वायुसंचार सुचारु होना चाहिए। भूमि में हल्की नमी बनी रहना चाहिए। गुलाब को विश्वभर में पसंद किया जाता है। इस पर व्यापक अनुसंधान एवं विकास कार्य किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गुलाब प्रेमियों के संगठन हैं, जो नई किस्मों के विकास, परिचिन्हन, मानकीकरण आदि करते हैं। इसके अनुसार पौधों की बनावट, ऊँचाई, फूलों के आकार आदि के आधार पर इन्हें निम्न वर्गों में बाँटा गया है।

गुलाब का व्यवसाय

गुलाब की खेती व्यावसायिक स्तर पर करके काफी लाभ कमाया जा सकता है। गुलाब की खेती बहुत पहले से पूरी दुनिया में की जाती हैढ्ढ इसकी खेती पूरे भारतवर्ष में व्यवसायिक रूप से की जाती हैढ्ढ गुलाब के फूल डाली सहित या कट फ्लावर तथा पंखुड़ी फ्लावर दोनों तरह के बाजार में व्यापारिक रूप से पाये जाते हैढ्ढ गुलाब की खेती देश व विदेश निर्यात करने के लिए दोनों ही रूप में बहुत महत्वपूर्ण हैढ्ढ गुलाब को कट फ्लावर, गुलाब जल, गुलाब तेल, गुलकंद आदि के लिए उगाया जाता हैढ्ढ गुलाब की खेती मुख्यतः कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्रा, बिहार, पश्चिम बंगाल ,गुजरात, हरियाणा, पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर, मध्य प्रदेश, आंध्रा प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में अधिक की जाती हैढ्ढ

फूल के हाट में गुलाब के गजरे खूब बिकते हैं। गुलाब की पंखुडियों और शक्कर से गुलकन्द बनाया जाता है। गुलाब जल और गुलाब इत्र के कुटीर उद्योग चलते है। उत्तर प्रदेश में कन्नौज, जौनपुर आदि में गुलाब के उत्पाद की उद्योगशाला चलती है। दक्षिण भारत में भी गुलाब के उत्पाद के उद्योग चलते हैं। दक्षिण भारत में गुलाब फूलों का खूब व्यापार होता है। मन्दिरों, मण्डपों, समारोहों, पूजा-स्थलों आदि स्थानों में गुलाब फूलों की भारी खपत होती है। यह अर्थिक लाभ का साधन है। वहाँ हजारों ग्रामीण युवा फूलों को अपनी आय का माध्यम बना लेते हैं।

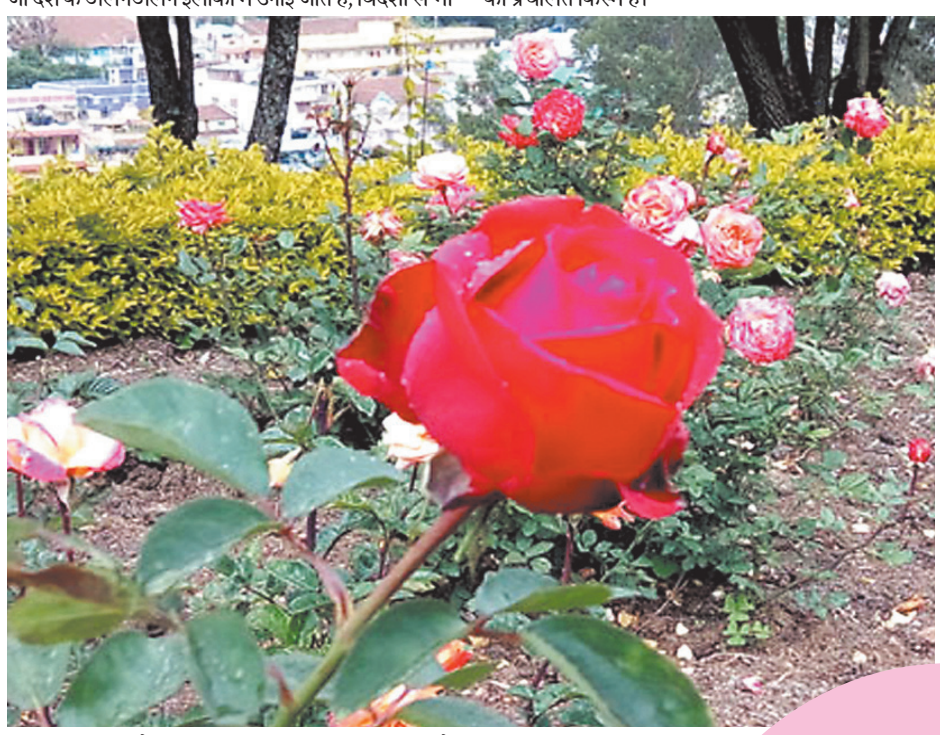

गुलाब की किस्में

भारत में उगाई जाने वाली गुलाब की परम्परागत किस्में हैं, जो देश के अलगअलग इलाकों में उगाई जाते हैं, विदेशों से भी

अलगअलग किस्में मांगा कर उन का 'संकरण' (2 किस्मों के बीच क्रास) कर के अनेक नई व उन्नत किस्में तैयार की गयी हैं, जो अब अपने देश में बहुत लोकप्रिय हैं।

गुलाब की विदेशी किस्में जर्मनी, जापान, फ्रास, इंग्लैण्ड, अमेरिका, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया से मंगाई गयी हैं। भारतीय गुलाब विशेषज्ञों ने देशी किस्मों में भी नयी विकसित 'संकर' (हाईब्रिड) किस्में जोड़ कर गुलाब की किस्मों की संख्या में वृद्धि की है। इस दिशा में दिल्ली स्थित भारती कृषि अनुसंधान संस्थान का अनुसंधान कार्य ख़ास उल्लेखनीय है। दक्षिण भारत में भारतीय बागबानी अनुसंधान संसथान, बंगलौर ने भी किस्मों के विकास और वृद्धि में भरपूर कार्य किया है। मात्र शौक और सजावट के लिये गुलाब का पौधा जब गमले में उगाया जाए तो किस्मों का चुनाव भी उसी के अनुसार किया जाना चाहिए। व्यावसायिक स्तर पर गुलाब की खेती करनी हो तो वैसी ही किस्मों का चयन करें। इस बारे में प्रायः सभी बड़ी नर्सरियों में पूरी जानकारी मिल सकती है। दिल्ली में हों तो भारतीय कृषि अनुसंधान पूसा के पुष्प विज्ञान विभाग से उचित जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

वैसे तो विश्व भर में गुलाब की किस्मों की संख्या लगभग 20 हजार से अधिक है, जिन्हें विशेषज्ञों ने विभिन्न वर्गों में बांटा है लेकिन तक्नीकी तौर पर गुलाब के 5 मुख्य वर्ग हैं, जिन का फूलों के रंग, आकार, सुगंध और प्रयोग के अनुसार विभाजन किया गया है, जो इस प्रकार हैः हाईब्रिड टीज, फ्लोरीबंडा, पोलिएन्था वर्ग, लता वर्ग और मिनिएचर वर्ग।

हाईब्रिड टीज वर्ग

यह बड़े आकार के गुलाबों का एक महत्वपूर्ण वर्ग है, जिस में टहनी के ऊपर या सिरे पर एक ही फूल खिलता है, इस वर्ग की अधिकतर किस्में यूरोप और छीन के 'टी' गुलाबों के 'संकर' (क्रास) से तैयार की गयी है, इस वर्ग की भारतीय किस्में हैं ः डा.होमी भाभा, चितवन, भीम, चित्रलेखा, चंद्बदीकली, गुलजार, मिलिंद, मृणालिनी, रक्त्गंधा, सोमा, सुरभी, नूरजहाँ, मदहोश, डा. बैंजमन पाल आदि।

हाइब्रिड टी (एचटी),इस वर्ग के पौधे बड़े, ऊँचे व तेजी से बढ़ने वाले होते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में अर्जुन, जवाहर, रजनी, रक्तगंधा, सिद्धार्थ, सुकन्या आदि हैं। इनके पुष्प शाखा के सिरे पर बड़े आकर्षक लगते हैं। एक शाखा के सिरे पर एक ही फूल आता है।

फ्लोरीबंडा वर्ग

यह हाईब्रिड टीज और पोलिएन्था गुलाबों के संकर (मिलन) से विकसित किये गए गुलाबों का वर्ग है। इस के फूल उपेक्षाकृत छोटे किन्तु गुच्छों में खिलतें हैं और आकार व वजन में बढ़िया होते हैं। इस वर्ग के फूल गृहवाटिका की क्यारियों और गमलों में ज्यादा देखने को मिलते हैं। इस किस्म की विशेषता है कि इन के पौधे कम जगह में ही उगा कर पर्याप्त

फ्लोरीबंडा, इसके पौधे मध्यम लंबाई वाले होते हैं, इनमें फूल भी मध्यम आकार के और कई फूल एक साथ एक ही शाखा पर लगते हैं। इनके फूलों में पंखुड़ियों की संख्या हाइब्रिड टी के फूलों की अपेक्षा कम होती हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में बंजारन, आम्रपाली, ज्वाला, रांगोली, सुषमा आदि हैं।

ग्रेन्डीफ्लोरा

यह उपरोक्त दोनों किस्मों के संयोग से तैयार किया गया है। गुलदानों में इस वर्ग के फूलों को अधिक पसंद किया जाता है। बड़े स्तर पर खेती के लिए इस वर्ग का अधिक उपयोग किया जाता है। गोल्ड स्पॉट, मांटेजुआ, क्वीन एलिजाबेथ इस वर्ग की प्रचलित किस्में हैं।

पॉलिएन्था

इस वर्ग के पौधों को घरेलू बगीचों व गमलों में लगाने के लिए पसंद किया जाता है। क्योंकि इनमें मध्यम आकार के फूल अधिक संख्या में साल में अधिक समय तक आते रहते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में स्वाति, इको, अंजनी आदि हैं।

मिनिएचर वर्ग

इस के पौधे, पट्टियां और फूल सभी छोटे होते हैं। पौधे कलामों द्वार उगे जाते हैं। यह गमलों, पतियों आदि में उगाने की उपयुक्त किस्म है। गृहवाटिका की क्यारियों के चारों ओर बार्डर लगाने के लिये भी उपयुक्त है। गुलाब के फूल खिलने का मौसम (अक्टूबर से मार्च) में इस किस्म के गुलाब खूब खिलते हैं। विभिन्न रंगों

लगते हैं। इन्हें बड़े शहरों में बंगलों, फ्लैटों आदि में छोटे गमलों में लगाया जाना उपयुक्त रहता है, परंतु धूप की आवश्यकता अन्य गुलाबों के समान छः से आठ घंटे आवश्यक है। इस वर्ग की प्रमुख किस्में ड्वार्फ किंग, बेबी डार्लिंग, क्रीकी, रोज मेरिन, सिल्वर टिप्स आदि हैं।

लता वर्ग (क्लैंग्बिंग एंड रैंबलिंग रोज)

इस वर्ग के गुलाब के पौधे लताओं के रोप में बढ़ते हैं और पैराबोला पर या दीवार का सहारा पा कर बढ़ते हैं। ये साल में केवल एक बार खिलते हैं।

ये गुलाब की बेल (लता) वाली किस्में हैं। इन्हें मेहराब या अन्य किसी सहारे के साथ चढ़ाया जा सकता है। इनमें फूल एक से तीन (क्लाइंबर) व गुच्छों (रेम्बलर) में लगते हैं। इस की मुख्य किस्में है सदाबहार, समर स्नो, डा.होमी भाभा, मार्शल नील, दिल्ली वाईट पर्ल आदि।

क्लाइंबर वर्ग की प्रचलित किस्में गोल्डन शावर, कॉकटेल, रायल गोल्ड और रेम्बलर वर्ग की एलवटाइन, एक्सेलसा, डोराथी पार्किंस आदि हैं।

गुलाब में जितने रंगों के फूल देखने को मिलते हैं उतने शायद किसी दूसरे फूल में नहीं। यदि सफ़ेद गुलाब हैं तो पीले, लाल, नारंगीलाल, रक्त्लाल, गुलाबी लेवेंडर रंग के दोरंगे, तींरंगे और यहाँ तक कि अब तो नीले और काले रंग के गुलाब भी पाए जाते है।

गुलाब की खेती के लिए जलवायु और भूमि

गुलाब की खेती उत्तर एवं दक्षिण भारत के मैदानी एवं पहाड़ी क्षेत्रों में जाड़े के दिनों में की जाती हैढ्ढ दिन का तापमान 25 से 30 डिग्री सेंटीग्रेट तथा रात का तापमान 12 से 14 डिग्री सेंटीग्रेट उत्तम माना जाता हैढ्ढ गुलाब की खेती हेतु दोमट मिट्टी तथा अधिक कार्बनिक पदार्थ वाली होनी चाहिएढ्ढ जिसका पी.एच. मान 5.3 से 6.5 तक उपयुक्त माना जाता है।

गुलाब की उन्नतशील प्रजातियां

गुलाब की लगभग 6 प्रकार की प्रजातियां पाई जाती है प्रथम संकर प्रजातियां जिसमे कि क्रिमसन ग्लोरी, मिस्टर लिंकन, लवजान, अफकैनेडी, जवाहर, प्रसिडेंट, राधाकृषणन, फर्स्ट लव , पूजा, सोनिया, गंगा, टाटा सैंटानरी, आर्किड, सुपर स्टार, अमेरिकन हेरिटेज आदि हैढ्ढ दूसरे प्रकार कि पॉलीएन्था इसमे अंजनी, रश्मी, नर्तकी, प्रीत एवं स्वाती आदिढ्ढ तीसरे प्रकार कि फ्लोरीबण्डा जैसी कि बंजारन, देहली प्रिंसेज, डिम्पल, चन्द्रमा, सदाबहार, सोनोरा, नीलाम्बरी, करिश्मा सूर्यकिरण आदिढ्ढ चौथे प्रकार कि गैंडीफलोरा इसमे क्वींस, मांटेजुमा आदिढ्ढ पांचवे प्रकार कि मिनीपेचर ब्यूटी क्रिकेट, रेड फ्लस, पुसकला, बेबीगोल्ड स्टार, सिल्वर टिप्स आदि और अंत में छठवे प्रकार कि लता गुलाब इसमे काक्लेट, ब्लैक बॉय, लैंड मार्क, पिंक मेराडोन, मेरीकलनील आदि पाई जाती है।

गुलाब के खेतों की तैयारी

सुंदरता की दृष्टि से औपचारिक लेआउट करके खेत को क्यारियों में बाँट लेते है क्यारियों की लम्बाई चौड़ाई 5 मीटर लम्बी 2 मीटर चौड़ी रखते हैढ्ढ दो क्यारियों के बीच में आधा मीटर स्थान छोड़ना चाहिएढ्ढ क्यारियों को अप्रैल मई में एक मीटर की गुड़ाई एक मीटर की गहराई तक खोदे और 15 से 20 दिन तक खुला छोड़ देना चाहिएढ्ढ क्यारियों में 30 सेंटीमीटर तक सूखी पत्तियो को डालकर खोदी गयी मिट्टी से क्यारियों को बंद कर देना चाहिए साथ ही गोबर की सड़ी खाद एक महीने पहले क्यारी में डालना चाहिए इसके बाद क्यारियों को पानी से भर देना चाहिए साथ ही दीमक के बचाव के लिए फ़ालीडाल पाउडर या कार्बोफ्यूरान 3 जी. का प्रयोग करेढ्ढ लगभग 10 से 15 दिन बाद ओठ आने पर इन्ही क्यारियों में कतार बनाते हुए पौधे व् लाइन से लाइन की दूरी 30 गुने 60 सेंटीमीटर रखी जाती हैढ्ढ इस दूरी पर पौधे लगाने पर फूलों की डंडी लम्बी व् कटाई करने में आसानी रहती है।

गुलाब की खेती में खाद और उर्वरकों की आवश्यकता

उत्तम कोटि के फूलों की पैदावार लेने के हेतु प्रूनिंग के बाद प्रति पौधा 10 किलोग्राम गोबर की सड़ी खाद मिट्टी में मिलाकर सिंचाई करनी चाहिएढ्ढ खाद देने के एक सप्ताह बाद जब नई कोपल फूटने लगे तो 200 ग्राम नीम की खली 100 ग्राम हड्डी का चूरा तथा रासायनिक खाद का मिश्रण 50 ग्राम प्रति पौधा देना चाहिएढ्ढ मिश्रण का अनुपात एक अनुपात दो अनुपात एक मतलब यूरिया, सुपर फास्फेट, पोटाश का होना चाहिए।

गुलाब की देखभाल

गुलाब के लिए सिंचाई का प्रबंधन उत्तम होना चाहिएढ्ढ आवश्यकतानुसार गर्मी में 5 से 7 दिनों के बाद तथा सर्दी में 10 से 12 दिनों के बाद सिंचाई करते रहना चाहिए। उत्तर प्रदेश के मैदानी भागो में कटाई-छटाई हेतु अक्टूबर का दूसरा सप्ताह सर्वोत्तम होता है लेकिन उस समय वर्षा नहीं होनी चाहिएढ्ढ पौधे में तीन से पांच मुख्य टहनियों को 30 से 40 सेंटीमीटर रखकर कटाई की जाती हैढ्ढ यह ध्यान रखना चाहिए कि जहाँ आँख हो वहाँ से 5 सेंटीमीटर ऊपर से कटाई करनी चाहिएढ्ढ कटे हुए भाग को कवकनाशी दवाओ से जैसे कि कापर आक्सीक्लोराइड, कार्बेन्डाजिम, ब्रोडोमिश्रण या चौबटिया पेस्ट का लेप लगना आवश्यक होता हैढ्ढ

गमलों के लिये मिट्टी का मिश्रण कुछ इस तरह से रखें। 2 भाग खेत की मिटटी, एक भाग खूब सड़ी गोबर की खाद, एक भाग में सूखी हरी पत्ते की खाद (लीफ मॉल्ड) और लकड़ी का बुरादा मिला लें। सम्भव हो तो कुछ मात्रा में हड्डी का चुरा भी मिला लें। इस से पौधों और जड़ों का अच्छा विकास होता है।

याद रहे कि गमलों में पौधों का रखरखाव वैसा ही हो, जैसी कि क्यारियों में होता है, उन की उचित निराईगुडाई में होता है। मसलन, पौधों को पूरी खुराक मिले, उन की उचित निराईगुडाई और सिंचाई हो, कीट व्याधियों से बचाव हो, गमलों के पौधों को मौसम के अनुसार समय-समय पर पानी दिया जाए और उन की कटाईछंटाई भी की जाए। सप्ताह में एक बार गमलों की दिशा भी अवश्य बदलें और उन के तले से पानी निकलने का चित्र भी उचित रूप से खुला रखें। गुलाब में माहू, दीमक एवं सल्क कीट लगते हैढ्ढ माहू तथा सल्क कीट के दिखाई देने पर तुरंत डाई मिथोएट 1.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में या मोनोक्रोटोफास 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर 2 -3 छिड़काव करना चाहिएढ्ढ दीमक के नियंत्रण हेतु सिंचाई करनी चाहिए तथा फोरेट 10 जी. 3 से 4 ग्राम या फ़ालीडाल 2त्न धुल 10 से 15 ग्राम प्रति पौधा गुड़ाई करके भूमि में अच्छी तरह मिला देना चाहिए।

गुलाब के फूलों की कटाई

सफ़ेद, लाल, गुलाबी रंग के फूलों की अध् खुली पंखुड़ियों में जब ऊपर की पंखुड़ी नीचे की ओर मुड़ना शुरू हो जायें तब फूल काटना चाहिएढ्ढ फूलों को काटते समय एक या दो पत्तियां टहनी पर छोड़ देना चाहिए जिससे पौधों की वहाँ से बढ़वार होने में कोइ परेशानी न हो सकेढ्ढ फूलों की कटाई करते समय किसी बर्तन में पानी साथ में रखना चाहिए जिससे फूलों को काटकर पानी तुरंत रखा जा सकेढ्ढ बर्तन में पानी कम से कम 10 सेंटीमीटर गहरा अवश्य होना चाहिए जिससे फूलों की डंडी पानी में डूबी रहे पानी में प्रिजर्वेटिव भी मिलाते हैढ्ढ फूलों को कम से कम 3 घंटे पानी में रखने के बाद ग्रेडिंग के लिए निकालना चाहिएढ्ढ यदि ग्रेडिंग देर से करनी हो तो फूलों को 1 से 3 डिग्रीसेंटीग्रेट तापक्रम पर कोल्ड स्टोरेज रखना चाहिए जिससे कि फूलों की गुणवत्ता अच्छी रह सके

गुलाब के पौधे गृहवाटिका में मिटटी के गमलों में आसानी से उगे जा सकते हैं, जो कम से कम 30 सेंटीमीटर घेरे के और उतने ही गहरे हों। मिनिएचर गुलाब के लिये 20 से 25 सेंटीमीटर आकार के गमले पर्याप्त हैं। गमलों को स्वच्छ वातावरण में रखा जाए। जैसे ही नयी कोपलें और शाखाएं अंकुरित होने लगें, उन्हें ही सूरज की रोशनी में रखें। दिन भर इन्हें 4-5 घंटे धूप अवश्य मिलनी चाहिए। हाँ, गरमी की कड़कती धूप में 1-2 घंटे ही पर्याप्त हैं।

जब जहाँ भी चारों ओर गुलाब खिलता है तो सब ओर इस की सुरभि व्याप्त हो जाती है। फरवरी-मार्च में गुलाब अपने पूर्ण यौवन और बहार पर होता है। आओ, इसे अपनी गृहवाटिका में उगायें और इस के सौंदर्य और महक का आनंद लें।

गुलाब की खेती के लिए आवश्यक सावधानियां

बरसात के मौसम में गमलों और क्यारियों में बहुत देर तक पानी भरा न रहने दें।

हर साल, पौधों की छंटाई कर, गमले के ऊपर की 2-3 इंच मिट्टी निकाल कर उस में उतनी ही गोबर की सड़ी खाद भर दें।

हर 2-3 साल के बाद सम्पूर्ण पौधे को मिट्टी सहित नए गमले में ट्रांसफर कर दें। चाहें तो गमले की मिट्टी बदल कर ताजा मिश्रण भरें।

यह प्रक्रिया सितम्बर-अक्टूबर में करें।

गुलाब की खेती करने के लिए पौध तैयार करना

आमतौर पर जुलाई-अगस्त में मानसून आते ही गुलाब लगाया जाता है। सितम्बर-अक्टूबर में तो यह भरपूर उगाया जाता है। गुलाब लगाने की सम्पूर्ण विधि और प्रक्रिया अपनाई जाए तो यह फूल मार्च तक अपने सौंदर्य, सुगंध और रंगों से न केवल हमें सम्मोहित करता है बल्कि लाभ भी देता है। जंगली गुलाब के ऊपर टी बडिंग द्वारा इसकी पौध तैयार होती हैढ्ढ जंगली गुलाब की कलम जून-जुलाई में क्यारियों में लगभग 15 सेंटीमीटर की दूरी पर लगा दी जाती हैढ्ढ नवम्बर से दिसंबर तक इन कलम में टहनियां निकल आती है इन पर से कांटे चाकू से अलग कर दिए जाते हैढ्ढ जनवरी में अच्छे किस्म के गुलाब से टहनी लेकर टी आकार कालिका निकालकर कर जंगली गुलाब की ऊपर टी में लगाकर पालीथीन से कसकर बाँध देते हैढ्ढ ज्यो-ज्यो तापमान बढता है तभी इनमे टहनी निकल आती हैढ्ढ जुलाई अगस्त में रोपाई के लिए पौध तैयार हो जाती है। पौधशाला से सावधानीपूर्वक पौध खोदकर सितम्बर-अक्टूबर तक उत्तर भारत में पौध की रोपाई करनी चाहिएढ्ढ रोपाई करते समय ध्यान दे कि पिंडी से घास फूस हटाकर भूमि की सतह से 15 सेंटीमीटर की ऊंचाई पर पौधों की रोपाई करनी चाहिएढ्ढ पौध लगाने के बाद तुरंत सिंचाई कर देना चाहिए।

यूक्रेन संकटः चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने की पुतिन से बात, दिया यह मंत्र

इंटरनेशनल डेस्क।

यूक्रेन पर रूस के हमल के बाद दुनियाभर के देशों के प्रमुख नेताओं की प्रतिक्रिया आ रही है। दुनियाभर के लोग रूस से शांति की अपील कर रहे हैं और युद्ध रोकने के लिए दूसरे रास्तों को अपनाने के लिए राष्ट्रपति पुतिन से आग्रह कर रहे हैं। यूक्रेन पर रूसी सेना के हमले के बीच चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने व्लादिमीर पुतिन से बात की है। जिनपिंग ने पुतिन से यूक्रेन से बातचीत करने को कहा है। चीन की सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी है। चीन की सरकारी मीडिया ने बताया कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पुतिन से यूक्रेन से बातचीत से हल निकालने की अपील की है उधर, रूस के सरकारी मीडिया ने दावा किया है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमीर जेलेंस्की ने राष्ट्रपति पुतिन को बातचीत का न्योता भेजा है। रूसी मीडिया ने बताया कि जेलेंस्की ने पुतिन से बातचीत की पेशकश की है। इससे पहले रूस के विदेश मंत्री ने कहा कि यूक्रेन सरेंडर करे तभी आगे बातचीत संभव है।

उन्होंने कहा कि यूक्रेन की सेना सरेंडर करे तो रूस बातचीत के लिए तैयार है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन पर रूस के हमले से पैदा हुई स्थिति के मद्देनजर बृहस्पतिवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की। इस दौरान पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी को यूक्रेन से संबंधित हालिया घटनाक्रम से अवगत कराया। प्रधानमंत्री मोदी ने बातचीत के दौरान दोहराया कि रूस और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) समूह के बीच मतभेदों को सिर्फ ''ईमानदार और गंभीर वार्ता से ही सुलझाया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने तत्काल हिंसा रोकने की अपील की तथा सभी पक्षों से कूटनीतिक बातचीत और संवाद की राह पर लौटने के ठोस प्रयास करने का आह्वान किया।

इंडोनेशिया के पश्चिमी इलाके में 6.2 तीव्रता का भूकंप, इमारतों को पहुंचा नुकसान...कई लोग घायल

इंटरनेशनल डेस्क।

इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप के तटीय इलाकों में शुक्रवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप के यह झटके मलेशिया और सिंगापुर में भी महसूस किए गए। भूकंप के कारण इमारतों को नुकसान पहुंचा है और कई लोगों के घायल होने की सूचना है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग के मुताबिक, रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.2 मापी गई। भूकंप का केंद्र पश्चिम सुमात्रा प्रांत के पहाड़ी शहर बुकिटिंग्गी के उत्तर-उत्तर पश्चिम में 66 किलोमीटर दूर 12 किलोमीटर की गहराई पर था। इंडोनेशिया की मौसम एवं जलवायु विज्ञान और भूभौतिकीय एजेंसी की प्रमुख द्विकोरिता कर्णावती ने कहा कि भूकंप के कारण सुनामी का कोई खतरा नहीं है, लेकिन उन्होंने भूकंप के बाद और झटकों की चेतावनी दी है। टेलीविज़न की खबरों में पश्चिमी सुमात्रा प्रांत की राजधानी पडांग में सड़कों पर घबरा कर भागते हुए लोगों को दिखाया गया।

पश्चिम पासामन जिले के एक अस्पताल से मरीजों को बाहर निकालते हुए भी दिखाया गया पड़ोसी देश मलेशिया और सिंगापुर में भी लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में दिखाया गया है कि कुआलालम्पुर में गगनचुंबी इमारतों के कुछ सेकंड तक हिलने के बाद निवासी सड़कों पर इकट्ठा हो गए। चश्मदीदों ने अपने दरवाजे और कुर्सियों को हिलते हुए और दीवारों पर लगी तस्वीरों और पेंटिंग्स को भी हिलते हुए देखा। पश्चिमी पासामन के जिला प्रमुख हमसुआर्डी ने कहा कि शुक्रवार को आए भूकंप से दर्जनों मकानों और इमारतों को क्षति पहुंची और कई लोग घायल हो गए, लेकिन किसी के मारे जाने की खबर नहीं है। गौरतलब है कि जनवरी 2021 में इंडोनेशिया के पश्चिम सुलावेसी प्रांत में आए 6.2 तीव्रता के भूकंप के कारण कम से कम 105 लोगों की मौत हो गई थी जबकि करीब 6500 लोग घायल हो गए थे।

बर्मिंघम सिटी यूनिवर्सिटी में लंगर ऑन कैंपस का आयोजन

लंदन।

ब्रिटेन के बर्मिंघम शहर में छात्रों ने महत्वपूर्ण सिख परंपरा के तहत 500 से अधिक लोगों को मुफ्त भोजन परोसा गया। बर्मिंघम सिटी यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूनियन और उसकी सिख सोसाइटी ने मिलेनियम पॉइंट पर एट्रियम में परिसर में लंगर (निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराने वाली रसोई) का आयोजन किया। लंगर व्यवस्था सिख धर्म की एक महत्वपूर्ण परंपरा है, इसमें शामिल होने वाले प्रत्येक व्यक्ति को निःशुल्क भोजन कराया जाता है। लंगर ऑन कैंपस दुनिया भर के विश्वविद्यालयों में सिख छात्रों द्वारा आयोजित किया जाने वाला एक कायक्रम है, जहां सभी पृष्ठभूमि के छात्र, कर्मचारी और समुदाय के लोग एक साथ आकर भोजन करते हैं। लंगर के दौरान सभी लोग एक साथ कालीन पर बैठ कर भोजन करते हैं, जो समानता को दर्शाता है । इस दौरान केवल शाकाहारी भोजन ही परोसा जाता है।

यह पांचवीं बार था जब बर्मिंघम सिटी यूनिवर्सिटी में बड़े पैमाने पर लंगर आयोजित किया गया। महामारी के प्रकोप के बाद दो साल में पहली बार यह आयोजन हुआ।

पुतिन इज हिटलर, नारे लगाकर मॉस्को की सड़कों पर उतरे हजारों लोग

मास्को।

विश्व में इनदिनों तीसरे विश्व युद्ध का खतरा मंडरा रहा है, क्योंकि दुनिया की दूसरी ताकत रूस ने यूक्रेन के खिलाफ जंग छेड़ दी है। रूस ने यूक्रेन का राजधानी पर सिलसिलेवार तरीके से लगातार बमबारी करके युद्ध की घोषणा की। यूक्रेन में रूसी सैनिको ने कब्जा करना शुरू कर दिया है। वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि अब तक 800 रूसी सैनिकों को मार दिया गया है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन के यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के फैसले को लेकर पूरी दुनिया में उनकी आलोचना हो रही है। दुनिया के साथ-साथ रूस को अपने ही देश के लोगों का विरोध भी सहना पड़ रहा है। पुतिन की तुलना हिटलर से की जा रही हैं। रूसी राष्ट्रपति पुतिन द्वारा यूक्रेन के खिलाफ युद्ध की घोषणा के कुछ ही देर बाद, देश भर के रूसी नागरिक उनके कार्यों की निंदा करने के लिए सड़कों पर उतर आए। मास्को के केंद्र में 1,000 से अधिक लोग युद्ध नहीं चाहुए के नारे लगाते हुए इकठ्ठा हुए। लोगों ने सड़कों पर पुतिन के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने युद्ध खत्म करने की मांग की। प्रदर्शनकारी स्थानीय समयानुसार शाम करीब 7 बजे ऐतिहासिक गोस्टिनी ड्वोर शॉपिंग आर्केड के बाहर सेंट पीटर्सबर्ग सहित कई अन्य शहरों में भी सड़कों पर उतरे। भारी पुलिस बल की पृष्ठभूमि में कुछ लोगों ने राष्ट्रपति की कठोर निंदा की। बताया जा रहा हैं कि 54 रूसी शहरों में करीब 1,745 लोगों को हिरासत में लिया गया था, जिनमें से कम से कम 957 मास्को में थे। न केवल रूस, बल्कि यूक्रेन के आक्रमण की निंदा करने के लिए गुरुवार को टोक्यो से तेल अवीव और न्यूयॉर्क तक के शहरों में सार्वजनिक चौकों और रूसी दूतावासों के बाहर प्रदर्शनकारी निकले।

संक्षिप्त समाचार

युद्ध के संकट में यूक्रेन को मिला 9 देशों से इतने मिलियन की आर्थिक सहायता

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने 50 मिलियन की आर्थिक सहायता देने के लिए पोलैंड सहित 9 देशों का शुक्रया अदा किया। वहीं इससे पहले उन्होंने कहा कि रूस का यूक्रेन पर हमला जारी है। यूक्रेनी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव को चारों ओर से घेर लिया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की दुनिया से यूक्रेन को नहीं मिले समर्थन से दुख जताया। इस दौरान जेलेंस्की ने कहा है कि हम कल भी अकेले अपने देश की रक्षा कर रहे थे और आज भी अकेले लड़ रहे हैं। कल की तरह ही दुनिया की सबसे ताकतवर ताकतें दूर से देख रही हैं। जानकारी के लिए बता दें कि रूस द्वारा यूक्रेन पर हमला किए जाने के बाद अमेरिका ने स्पष्ट कर दिया है वह अमेरिकी सैनिकों को लड़ने के लिए यूक्रेन नहीं भेजेगा। बाइडेन ने कहा है कि रूसी भले लड़ने को तैयार हों लेकिन अमेरिका लड़ने को तैयार नहीं है। रूसी बल चेर्नोबिल परमाणु संयंत्र पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। इस संयंत्र में अप्रैल, 1986 में दुनिया की सबसे भीषण परमाणु दुर्घटना हुई थी, जब एक परमाणु रिएक्टर में विस्फोट के बाद पूरे यूरोप में रेडियोधर्मी विकिरण फैल गया था। यह संयंत्र कीव के उत्तर में 130 किलोमीटर की दूरी पर स्थित था। जिस रिएक्टर में विस्फोट हुआ था, उसमें से विकिरण रिसाव रोकने के लिए उसे एक सुरक्षात्मक उपकरण से कवर किया गया है और पूरे संयंत्र को निष्क्रिय कर दिया गया है। जेलेंस्की ने ट्वीट किया कि हमारे बचावकर्ता अपनी जान दे रहे हैं, ताकि 1986 की त्रासदी फिर से नहीं हो। उन्होंने कहा कि यह पूरे यूरोप पर युद्ध की घोषणा है।

पाकिस्तानी आवाम ने कहा, इकलौता परमाणु संपन्न देश हमारा मुल्क जो भींख मांग रहा

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सरकार इन दिनों थोड़ा खुश है। लेकिन पाकिस्तान की आवाम नाराज है। पाकिस्तान की सरकार खुश इसकारण हैं, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने उस दिए जाने वाले वाले कर्ज की 1 अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 176.3 अरब पाकिस्तानी रुपए) की किश्त जारी की है। वहीं, पाकिस्तान की जनता इस वजह से अपने मुल्क की इमरान खान सरकार पर लानतें भेज रही हैं। पाकिस्तान ऐसा परमाणु-संपन्न देश है, जो दशकों से दुनिया के सामने भीखा मांग रहा है। खबरों के मुताबिक, पाकिस्तान के वित्त मंत्री शौकत तरीन के एक ट्वीट के बाद लोगों का गुस्सा फूटा है। ट्वीट में तरीन ने लिखा, 'मुझे यह ऐलान करते हुए खुशी हो रही है कि आईएमएफ ने पाकिस्तान के लिए अपने कर्ज-कार्यक्रम के तहत छठी किश्त जारी कर दी है। इसके बाद सरकार की आलोचनाओं का सिलसिला जारी है। एक अखबार ने अपने संपादकीय में लिखा है, पाकिस्तान दुनिया का शायद इकलौता इसतरह का परमाणु-संपन्न मुल्क होगा, जिसे अपनी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए कर्ज की जरूरत पड़ रही है। जो दुनिया के सामने दशकों से भीख मांग रहा है।मदद की गुहार लगा रहा है। इस तरह एक अन्य रिपोर्ट में लिखा गया, 'यह आश्चर्य ही नहीं, तकलीफ और अफसोस की भी बात है कि कर्ज के लिए मुल्क को दूसरों का पूरी तरह गुलाम बना देने के बाद वित्त मंत्री आईएमएफ नई किश्त जारी होने पर खुशी जता रहे हैं।

बाइडेन ने दिए जर्मनी में 7000 अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती के आदेश

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नाटो के सहयोगी जर्मनी में अतिरिक्त 7,000 सैनिकों की तैनाती के आदेश दिए हैं। यह आदेश ऐसे समय में आया है जब यूक्रेन के अलग-अलग क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता देने के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आदेश पर रूसी सैनिकों ने हमले तेज कर दिए हैं। गौरतलब है कि पहले दिन की लड़ाई में 137 लोगों की जान चली गई। इसकी जानकारी खुद यूक्रेन के राष्ट्रपति ने दी है। प्रतिक्रिया के हिस्से के रूप में जर्मनी में तैनात करने के लिए अतिरिक्त अमेरिकी बल क्षमताओं को अधिकृत कर रहा हूं। इसमें कुछ सैनिक ऐसे हैं, जिन्हें रक्षा विभाग ने स्टैंडबाय पर रखा था। बाइडेन ने व्हाइट हाउस में टिप्पणी में कहा कि अब मैं नाटो की प्रतिक्रिया के हिस्से के रूप में जर्मनी में तैनात करने के लिए अतिरिक्त अमेरिकी बल क्षमताओं को अधिकृत कर रहा हूं। इसमें कुछ सैनिक ऐसे हैं, जिन्हें रक्षा विभाग ने स्टैंडबाय पर रखा था। इससे पहले गुरुवार को नाटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की कि गठबंधन ने अमेरिकी यूरोपीय कमान का नेतृत्व करने वाले जनरल टॉड वोल्टर्स के अनुरोध पर अपनी रक्षा योजनाओं को सक्रिय किया है। स्टोलटेनबर्ग ने कहा कि यूक्रेन में कोई नाटो सेना नहीं है, लेकिन यह गठबंधन के सदस्यों की रक्षा करने और स्पिलओवर को रोकने के लिए नाटो की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिए काम कर रहा है।

राष्ट्रपति जेलेंस्की रूस से अपनी और अपने परिवार की जान को खतरा बताया

कीव। यूक्रेन पर रूस के हमले का शुक्रवार को दूसरा दिन है। रूसी हमले यूक्रेन के 137 लोग मारे गए हैं, कई घायल हुए हैं। उधर, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूस से अपनी और अपने परिवार की जान को खतरा बताया है। जेलेंस्की ने कहा रूस उनकी हत्या करना चाहता है। उन्होंने कहा कि मैं दुश्मनों के निशाने पर सबसे पहले हूं, उसके बाद मेरा परिवार है। खतरे को देखकर मेरा परिवार छिप गया है। राष्ट्रपति ने कहा कि रूस, यूक्रेन के प्रमुख की हत्या कर राजनीतिक रूप से नष्ट करना चाहता है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि वह केंद्र के काम के लिए आवश्यक सभी लोगों के साथ सरकारी क्वार्टर में रह रहे हैं। उन्होंने कि वह और उनका परिवार देशद्रोही नहीं हैं। राष्ट्रपति ने नागरिकों को चेतावनी देकर कहा कि दुश्मन कीव में प्रवेश कर चुके हैं। मैं निवासियों से सावधान रहने और कर्फ्यू के नियमों का पालन करने की अपील करता हूं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने पुतिन को भेजा बातचीत का न्यौता

इंटरनेशनल डेस्क।

यूक्रेन ने रूस के बातचीत की पेशकश की है। रूस ने यह दावा किया है। रूस ने कहा कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमीर जेलेंस्की ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को वार्ता के लिए न्यौता भेजा है। इससे पहले रूस के विदेश मंत्री ने सर्गेई लावरोव ने कहा कि यूक्रेन सरेंडर करे तभी बातचीत संभव है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन की सेना हथियार डाले तभी आगे की बातचीत संभव है। उधर, जेलेंस्की ने कहा, ''यदि आप अभी हमारी मदद नहीं करते हैं, यदि आप यूक्रेन को एक मजबूत सहायता प्रदान करने में विफल रहते हैं, तो कल युद्ध आपके दरवाजे पर दस्तक देगा। शुक्रवार को तड़के ीव में हवाई हमले के सायरन बजते ही, शहर के एक होटल के मेहमानों को भूतल में एक अस्थायी आश्रय स्थल पर जाने को कहा गया। कर्मचारियों, सभी स्थानीय विश्वविद्यालय के छात्रों ने मेहमानों को चाय और कुछ खाद्य सामग्री दी। बता दें कि यूक्रेन के शहरों और सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले करने और तीन तरफ से सैनिकों और टैंकों को भेजने के बाद शुक्रवार को रूसी बल राजधानी कीव के बाहरी इलाकों तक पहुंच गये। राजधानी कीव में धमाकों की कई आवाजें सुनी गयीं। रूसी सैनिकों ने दूसरे दिन भी हमले जारी रखे हैं। इस बीच पश्चिमी नेताओं ने एक आपातकालीन बैठक बुलाई है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने एक ऐसे हमले को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय मदद की गुहार लगाई जो उनकी लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को गिरा सकता है, बड़े पैमाने पर इसमें लोग हताहत हो सकते है और वैश्विक अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंच सकता है। यूक्रेन की सेना का कहना है कि रूसी बलों को कीव से लगभग पांच किलोमीटर (तीन

मील) की दूरी पर देखा गया है, वे हमले के लिए यूक्रेन की राजधानी की ओर बढ़ रहे हैं। पुलिस ने लोगों से शहर में एक मेट्रो स्टेशन से बाहर नहीं निकलने के लिए कहा क्योंकि इलाके में गोलियां चल रही हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने कहा कि कीव की '' घेराबंदी हो सकती है ।

खौफ में भारतीय छात्र, बोले- हमारे पास केवल भोजन और पानी का सीमित भंडार

तिरुवनंतपुरम।

संकटग्रस्त यूक्रेन में फंसे हुए केरल समेत अन्य भारतीय राज्यों के छात्रों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और वे अपनी सुरक्षा को लेकर बेहद चिंतित एवं घबराए हुए हैं। यूक्रेन की राजधानी कीव में फंसी हुई अरुंधति नामक केरल की छात्रा ने एक स्थानीय टेलीविजन चैनल से कहा कि अधिकारियों ने हमें जल्द से जल्द आवश्यक सामान लेकर विश्वविद्यालय के छात्रावास के बंकरों में जाने के लिए कहा था। हमारे पास केवल भोजन और पानी का सीमित भंडार है। नेटवर्क कवरेज कभी भी जा सकता है। अरुंधति के वीडियो कॉल से साफ समझ में आ रहा था कि वहां मौजूद छात्र किस प्रकार की कठिन परिस्थितियों से गुज़र रहे हैं क्योंकि 60 से अधिक छात्रों को खचाखच भरे एक बंकर में अपने बैकपैक और आवश्यक वस्तुओं के साथ फर्श पर बैठे देखा जा सकता था, जहां रौशनी बेहद कम थी। केरल की रहने वाली अरुंधति यूक्रेन में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही हैं। अरुंधति ने कहा कि सुबह से रह रह कर विस्फोट की आवाजें सुनाई दे रही हैं और वे सभी अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। मध्य यूक्रेन में स्थित एक विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली अशरा नामक एक अन्य छात्रा ने कहा कि वह और अन्य भारतीय छात्र अपनी सुरक्षा को लेकर बहुत चिंतित हैं, क्योंकि उनके पास इस बारे में कोई स्पष्ट मार्गदर्शन नहीं है कि उन्हें क्या करना चाहिए और कहां रहना चाहिए। अशरा ने कहा कि हमारे परिसर में अकेले केरल से ही 200 से लेकर करीब 300 छात्र हैं। हमें क्या करना है, इसको लेकर हमें कोई स्पष्ट मार्गदर्शन नहीं मिल रहा है। अशरा का कहना है कि शुरू में उन्हें बंकर में जाने के लिए कहा गया था। लेकिन जब वे अपना बैग पैक कर वहां पहुंचे, तो विश्वविद्यालय के प्रमुख ने उन्हें छात्रावास के कमरों में वापस जाने के लिए कहा। अशरा ने कहा कि विश्वविद्यालय के प्रमुख के कहने पर हम वापस छात्रावास में आ गए। इस समय कहीं भी बाहर निकलना बहुत जोखिम भरा है। यूक्रेन में फंसे हुए अन्य भारतीय छात्रों का कहना है कि उनके पास भोजन और पीने के पानी का सीमित मात्रा में है। छात्रों का कहना है कि बिजली की आपूर्ति कभी भी बाधित हो सकती है और नेटवर्क कभी भी जा सकता है।

फ्रांस का रूस को दो टूक जवाब, हमारे पास भी है परमाणु हथियार

कीव। रूसी सैनिकों ने यूक्रेन में हमला कर दिया है। इसके बाद विश्व के कई बड़े देश रूस पर तरह-तरह प्रतिबंध लगा रहे हैं। इस बीच रूस और यूक्रेन के बीच जारी लड़ाई अब परमाणु धमकियों तक आ पहुंची है। इसके बाद फ्रांस ने भी दो टूक जवाब देकर कहा कि हमारे पास भी परमाणु हथियार हैं। बीते दिनों रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ जंग का ऐलान कर दूसरे देशों को चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि रूसी कार्रवाई में किसी प्रकार के हस्तक्षेप के प्रयास पर इसतरह के परिणाम होगा, जो उन्होंने कभी नहीं देखा गया होगा। विशेषज्ञ इस परमाणु हमले की धमकी के तौर पर देख रहे हैं। माना जा रहा है कि रूसी सेना युद्ध के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस पर फ्रांसिसी विदेश मंत्री जीन-यवेस ले ड्रियन ने इशारों-इशारों में रूसी राष्ट्रपति पुतिन द्वारा परमाणु धमकी देने पर कहा कि उन्हें यह समझने की जरूरत है, कि नाटो भी एक परमाणु गठबंधन है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि पुतिन को यह समझना चाहिए कि अटलांटिक गठबंधन एक परमाणु गठबंधन है। मैं इस बारे में बस इतना ही कहूंगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति के सलाहकार मिहैलो पोदोलियाक ने बताया कि रूसी सैनिकों के साथ भयंकर युद्ध के बाद यूक्रेन ने चेर्नोबिल परमाणु स्थल से नियंत्रण खो दिया है। उन्होंने कहा कि रूसी बलों के बिलकुल मूर्खतापूर्ण हमले के बाद यह कहना असंभव है, कि चेर्नोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र सुरक्षित है। बता दें कि चेर्नोबिल में अप्रैल, 1986 में दुनिया की सबसे भीषण परमाणु दुर्घटना हुई थी, जब एक परमाणु रिएक्टर में विस्फोट के बाद पूरे यूरोप में रेडियोधर्मी विकिरण फैल गया था। यह संयंत्र कीव के उत्तर में 130 किमी की दूरी पर स्थित है।

यूक्रेन पर रूसी आक्रमण तेज होने की आशंका से भयभीत जनता

इंटरनेशनल डेस्क।

रूसी बलों के यूक्रेन पर हमले के दूसरे दिन तड़के, यूरी ज्याहानोव अपनी मां के चीखने-चिल्लाने से जाग गया और उसने खुद को धूल से ढंका पाया। रूसी बलों ने राजधानी कीव के बाहरी इलाके में उनकी आवासीय इमारत पर गोलाबारी की। वह और अन्य नागरिक अपनी जान जोखिम में होने से डरे सहमे थे, और कई लोगों ने भागना शुरू कर दिया है। शुक्रवार को तड़के कीव में हवाई हमले के सायरन बजने के बीच ज्याहानोव और उसके परिवार ने भी वहां से जाने की तैयारी कर ली है। उन्होंने क्षतिग्रस्त इमारत की ओर इशारा करते हुए रूस से कहा, ''तुम यह क्या कर रहे हो ? यह क्या है ? उन्होंने कहा, ''यदि आप सैन्य कर्मियों पर हमला करना चाहते हैं, तो सैन्य कर्मियों पर हमला करें। मैं बस इतना ही कहना चाहता हूं। रूस ने कहा है कि वह शहरों को निशाना नहीं बना रहा है, लेकिन वह शहरों के बहुत करीब पहुंच गया है। बख्तरबंद गाड़ियां शहर की सड़कों पर देखी गईं। निवासी बेचैनी से अपार्टमेंट के, इमारतों के दरवाजों पर खड़े होकर इस नजारे को देख रहे थे। मारियुपोल शहर में, व्लादा नाम की एक लड़की युद्ध को रोके जाने की प्रार्थना करती नजर आई। व्लादा ने कहा, मारियुपोल शहर में, व्लादा नाम की एक लड़की युद्ध को रोके जाने की प्रार्थना करती नजर आई। व्लादा ने कहा, ''मैं मरना नहीं चाहती। मैं चाहती हूं कि यह सब जल्द से जल्द खत्म हो। होर्लिवका शहर में एक घर के बाहर कंबल से ढका एक शव जमीन पर पड़ा हुआ था। ''मैं मरना नहीं चाहती। मैं चाहती हूं कि यह सब जल्द से जल्द खत्म हो। होर्लिवका शहर में एक घर के बाहर कंबल से ढका एक शव जमीन पर पड़ा हुआ था। जिस व्यक्ति का यह शव था वह गोलाबारी की चपेट में आ गया था। इस शव के निकट खड़ा एक व्यक्ति फोन पर बात कर रहा था। वह फोन पर कह रहा था, ''हां, माँ चली गई।

कुछ लोग यूक्रेन छोड़ने से हिचकिचा रहे थे और वे रेलवे प्लेटफॉर्म पर खड़े थे। गौरतलब है कि यूक्रेन के खिलाफ बड़े सैन्य अभियान की घोषणा करते हुए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा एवं प्रतिबंधों को नजरंदाज किया और अन्य देशों को चेतावनी दी कि रूसी कार्रवाई में किसी प्रकार के हस्तक्षेप के प्रयास के ''ऐसे परिणाम होंगे, जो उन्होंने कभी नहीं देखे होंगे।

राम रहीम की फरलो को चुनौती देने वाली याचिका पर हाईकोर्ट का फैसला सुरक्षित

चंडीगढ़।

डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम की फरलो मामले को चुनौती देने वाली याचिका पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। राम रहीम को हरियाणा सरकार ने सात फरवरी को 21 दिन की फरलो दी थी, जो 28 फरवरी को समाप्त हो रही है। यह फरलो पंजाब विधानसभा चुनाव से कुछ दिन पहले दी गई, जिससे मामले ने राजनीतिक रंग ले लिया था। इससे पहले मामले पर बुधवार को सुनवाई हुई थी। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत गुरमीत सिंह को हार्ड कोर क्रिमिनल माना जाए या नहीं, बुधवार को हाईकोर्ट में इस विषय पर बहस शुरू हुई। हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को आदेश दिए कि वह साबित करे कि किस आधार पर डेरा प्रमुख को हार्ड कोर क्रिमिनल न माना जाए। इस पर हरियाणा सरकार शुक्रवार को हाई कोर्ट के सामने अपना पक्ष रखने को कहा था। याचिकाकर्ता की तरफ से डेरा प्रमुख को हार्ड कोर क्रिमिनल बताते हुए बहस की गई, जबकि सरकार की तरफ से इसका विरोध किया गया। याची पक्ष की तरफ से यह भी दलील दी गई कि डेरा प्रमुख ने अभी सजा कम ही काटी है। ऐसे में उसे फरलो गलत तरीके से दी गई है। हरियाणा सरकार ने अपना जवाब दायर करते हुए कहा था कि डेरा प्रमुख को हत्या की साजिश रचने के आरोप में दोषी करार देकर सजा सुनाई गई है। इन मामलों में उसे सह अभियुक्तों के साथ साजिश रचने का दोषी माना गया था। ऐसे में उसे हार्ड कोर क्रिमिनल नहीं कहा जा सकता है और वैसे भी डेरा प्रमुख को कानूनी राय लेने के बाद ही फरलो दी गई थी। बुधवार को हाई कोर्ट ने सरकार के इसी जवाब पर कहा कि सरकार ऐसी कोई जजमेंट हाईकोर्ट में पेश करे, जिसके तहत यह साबित हो सके कि डेरा प्रमुख को हार्ड-कोर क्रिमिनल नहीं माना जा सकता। कुछ दलीलें रखे जाने के बाद कोर्ट का समय पूरा हो गया। आज मामले में सुनवाई हुई। डेरा प्रमुख को दी गई फरलो के खिलाफ पटियाला के भादसों निवासी परमजीत सिंह सहोली ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया कि डेरा प्रमुख पहले ही कई संगीन अपराधों का दोषी करार दिया जा चुका है और रोहतक की सुनारिया जेल में सजा काट रहा है। इसके अलावा उसके खिलाफ कुछ अन्य आपराधिक मामले अदालतों में चल रहे हैं। बावजूद इसके हरियाणा सरकार ने डेरा प्रमुख को फरलो दिए जाने के आदेश दे दिए, जो कि पूरी तरह से गलत है।

आरोप लगाया गया है कि पंजाब विधानसभा के 20 फरवरी को चुनाव हुए हैं। ऐसे में इन चुनाव से ठीक पहले डेरा प्रमुख को फरलो राजनीतिक लाभ उठाने के लिए ही दी गई है।

बजट खर्च की निगरानी के लिए समिति बनाएगा रक्षा मंत्रालयः राजनाथ सिंह

नई दिल्ली ।

भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा मंत्रालय अपने बजट खर्च की निगरानी के लिए तीनों सेवाओं के प्रतिनिधियों की समिति बनाएगा ताकि इसका समय पर पूरा उपयोग हो सके। उन्होंने कहा कि बजट में आयात को कम करने और सशस्त्र बलों को स्वदेशी तकनीक से आधुनिक बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को और बल दिया गया है। सिंह ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि रक्षा मंत्रालय ने वेबिनार के दौरान प्राप्त सभी मूल्यवान सुझावों को नोट कर लिया है और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के उद्देश्य से बजट घोषणाओं के समयबद्ध कार्यान्वयन के लिए एक कार्य योजना भी तैयार की है। 2022-23 के वार्षिक बजट में यह घोषणा की गई है कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास को उद्योग, स्टार्टअप और शिक्षा के लिए खोल दिया जाएगा। उन्होंने कहा, रक्षा उद्योग के नेतृत्व में होने वाले अनुसंधान और विकास प्रयासों के लिए मैं 'मेक-1' के तहत वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान कम से कम पांच परियोजनाओं को मंजूरी दूंगा। मेक-1 श्रेणी के तहत परियोजनाओं में सरकार की ओर से 90 प्रतिशत वित्तपोषण किया जाता है। इस राशि को योजना की प्रगति और रक्षा मंत्रालय व विक्रेता के बीच बनी सहमति की शर्तों के आधार परचरणबद्ध तरीके से आवंटित किया जाता है। सिंह ने कहा, हम विशेष रूप से निजी उद्योग और स्टार्टअप के लिए निर्धारित बजट की निगरानी के उद्देश्य से तीनों सेवाओं के प्रतिनिधियों वाला एक निगरानी तंत्र तैयार करने वाले हैं, ताकि इसका पूरी तरह से उपयोग किया जा सके।

गौरतलब है कि ''मेक'' श्रेणी रक्षा खरीद की प्रक्रिया से संबंधित प्रावधान है जो सरकार के ''मेक इन इंडिया'' कार्यक्रम के तहत स्वदेशी रक्षा क्षमता को मजबूत बनाने से जुड़ा है। ''मेक'' श्रेणी के तहत दो उप श्रेणियां ... ''मेक-1'' और ''मेक-2'' हैं। ''मेक-1'' उप श्रेणी के तहत सरकार जबकि ''मेक-2'' के तहत वित्तपोषण उद्योग करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने नीतिश सरकार से पूछा, शराबबंदी कानून किस आधार पर लागू किया

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने शराबबंदी कानून को लेकर बिहार की नीतिश सरकार से सवाल पूछे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा है, कि राज्य सरकार ने किस आधार पर यह कानून लागू किया। कानून लागू करने के कारण अदालतों में केसों की संख्या में होने वाले इजाफे को लेकर नीतिश सरकार ने क्या इंतजाम किए। इतना ही नहीं सुप्रीम कोर्ट ने यह जानकारी भी मांगी है कि शराबबंदी कानून के प्रभाव के आकलन को लेकर बिहार सरकार क्या कदम उठा रही है। शीर्ष अदालत ने 8 मार्च तक राज्य सरकार से अपना जवाब पेश करने को कहा है। बिहार सरकार ने 2016 में शराबबंदी कानून लागू किया था। कानून के तहत शराब की बिक्री, पीने और इस बनाने पर प्रतिबंध है। शुरुआत में इस कानून के तहत संपत्ति कुर्क करने और उम्र कैद की सजा तक का प्रावधान था, लेकिन 2018 में संशोधन के बाद सजा में थोड़ी छूट दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने शराबबंदी कानून लागू होने के चलते अदालती मामलों की बढ़ती तादाद के चलते ये सवाल किए हैं। बढ़ते मामलों के कारण पटना हाईकोर्ट के 26 में से 16 जज शराबबंदी से जुड़े केस की सुनवाई कर रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट के लगभग हर बेंच में शराबबंदी कानून से जुड़ी याचिकाएं हैं। इसकारण यह जानना जरूरी है, कि बिहार सरकार ने इन कानूनों को लागू करने से पहले कोई अध्ययन किया था ।

किश्तवाड़ से बर्फबारी में लापता 6 लोगों का चला पता, सुरक्षित पहुंचाए गए घर

जम्मू। किश्तवाड़ जिले के छह लोगों को सुरक्षित उनके घर पहुंचाया गया है। यह लोग मंगलवार को अनंतनाग के मारगान टॉप से लापता हो गये थे। अपने घरों में पहुंच गये। यह सभी अनंतनाग से किश्तवाड़ के लिए पैदल ही निकले थे। इनके लापता होने की खबर मिलने के बाद प्रशासन ने इन्हें ढूंढने के लिए व्यापक अभियान चलाया था। सरपंच आजाद नबी ने बताया कि सभी शुक्रवार को सुरक्षित अपने घरों में पहुंच गये। यह सभी अनंतनाग से किश्तवाड़ के लिए पैदल ही निकले थे। इनके लापता होने की खबर मिलने के बाद प्रशासन ने इन्हें ढूंढने के लिए व्यापक अभियान चलाया था। प्रशासन द्वारा हैलीकाप्टर की भी मद्द ली गई थी। सेना के जवान भी पैदल इनके बचाव हेतु निकले थे।

मणिपुर के उखरुल में शांति और नगा वार्ता चुनावी मुद्दे

उखरुल।

मणिपुर विधानसभा चुनाव में उखरुल के मतदाताओं के लिए शांति, विकास और नगा वार्ता चुनावी मुद्दे हैं। यहां के लोगों का कहना है कि वे लंबे समय तक शांति और विकास के लिए बेकरार हैं और जब पांच मार्च को दूसरे चरण में मतदान होगा तो वे अपने मताधिकार का इस्तेमाल करते हुए इसे ध्यान में रखेंगे। उखरुल में एक मिनी स्टेडियम की उत्तरी छोर की दीवार पर एक भित्तिचित्र सभी को आकर्षित करता है, जिसमें नगा विद्रोही नेताओं दिवंगत खोदाओ यंथन, इसाक चिशी स्वू और थुइंगलेंग मुइवा के हाथों में नगा झंडे पकड़े दिखाया गया है। ऊपर दाएं कोने से एक खंभे से भाजपा का झंडा बंधा है और बाईं ओर नगा पीपुल्स फंट का झंडा लगा है। यह पूरा खाका इस छोटे से पर्वतीय शहर में वर्तमान चुनावी मिजाज को दर्शाता है, जहां लोग 12वीं मणिपुर विधानसभा में अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए एक उम्मीदवार चुनने की तैयारी में हैं । हालांकि 2015 में हुए रूपरेखा समझौते के तहत केंद्र और एनएससीएन (आईएम) के बीच बातचीत पूरी नहीं हुई है। यह मणिपुर के इस पूर्वोत्तर हिस्से में नगा उग्रवाद के दौरान हिंसा की लोगों को याद दिलाती है। उखरुल के ऐतिहासिक विनो बाजार में किताब की एक दुकान चलाने वाले वर्थेम ने कहा कि यहां के लोग लंबे समय तक शांति और विकास के लिए बेकरार हैं और वह अपने मताधिकार का इस्तेमाल करते हुए इसे ध्यान में रखेंगे। उन्होंने कहा, हां, एक स्पष्ट परिवर्तन हुआ है और रूपरेखा समझौते की घोषणा के बाद शांति का माहौल है, लेकिन अभी भी अतीत की छाया है, अभी भी अनिश्चितता है। क्या होगा यदि नगा लोगों को वह नहीं मिला जो वे मांग रहे हैं? वार्ता समाप्त होने के लंबे इंतजार की छाया अबम चाहोंगहाओ के धैर्य पर स्पष्ट तौर पर देखी जा सकती है जो उखरुल और राज्य की राजधानी इंफाल के बीच निजी यात्री बस सेवा के टिकट बिक्री काउंटर का संचालन करते हैं। उन्होंने कहा, हम उम्मीद कर रहे थे कि यह जल्द ही समाप्त हो जाएगी, लेकिन हम 5 साल से अधिक समय से इंतजार कर रहे हैं और हमें नहीं पता कि यह किस ओर जा रही है। महामारी के दौरान बेंगलुरु में एक नौकरी छोड़कर अपने गृह राज्य लौटे अग्रिप्पा जे के लिए यह जानने की उत्सुकता है कि रूपरेखा समझौते के तहत क्या सहमति बनी है। उन्होंने कहा, आज का युवा विकास और शांति चाहता है। हम उसी के अनुसार मतदान करेंगे, जिसके आधार पर उम्मीदवार हमारी इच्छाओं को पूरा कर सकते हैं ।

गिरफ्तारी के बाद एनसीपी नेता नवाब मलिक मुंबई के अस्पताल में भर्ती

मुंबई ।

एनसीपी नेता नवाब मलिक, जिन्हें मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया था, मुंबई के जेजे अस्पताल में भर्ती किया गया है, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सूत्रों ने बताया कि राकांपा नेता को डॉक्टर की सलाह पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी तबियत कैसी है इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। नवाब की बेटी सना खान ने पार्टी कार्यकर्ताओं को सूचित किया कि उनके पिता अस्पताल में भर्ती हैं। उन्होंने कहा कि मलिक पेट में दर्द से पीड़ित था। राकांपा नेता के कार्यालय ने भी ट्वीट किया है कि उनका इलाज अस्पताल में चल रहा है।

3 मार्च तक ईडी की हिरासत में रहे नवाब मलिक को शुक्रवार सुबह रूटीन चेकअप के लिए अस्पताल ले जाया गया? हालांकि, डॉक्टरों ने कहा कि उन्हें भर्ती करने की आवश्यकता होगी। महा अघाड़ी सरकार में एक मंत्री नवाब मलिक को ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले और आतंकवाद के वित्तपोषण में सक्रिय भागीदारी में गिरफ्तार किया था।

तेलंगाना सरकार ने यूक्रेन में फंसे नागरिकों के लिये हेल्पलाइन स्थापित की

हैदराबाद ।

तेलंगाना सरकार ने यक्रेन में फंसे राज्य के प्रवासियों और छात्रों की मदद के लिए राज्य सचिवालय और नई दिल्ली स्थित तेलंगाना भवन में हेल्पलाइन स्थापित की है। केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी ने भी मुद्दे को उठाया है। राज्य के मुख्य सचिव सोमेश कुमार ने बताया कि हेल्पलाइन पर कल रात से 75 कॉल आई हैं। नई दिल्ली में तेलंगाना भवन के रेजिडेंट कमिश्नर और अन्य अधिकारियों के साथ मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार विदेश मंत्रालय के लगातार संपर्क में है। इस बीच, केंद्रीय पर्यटन मंत्री रेड्डी ने कहा कि उन्होंने भारतीय दूतावास और विदेश मंत्री एस. जयशंकर से यूक्रेन में फंसे दक्षिणी राज्यों के छात्रों की मदद के लिए बात की है। रेड्डी ने ट्वीट किया, यूक्रेन में दक्षिण भारत और तेलुगु भाषी राज्यों के छात्रों के संबंध में, यूक्रेन स्थित भारतीय दूतावास, विदेश मंत्री और विदेश मंत्रालय से शुक्रवार को बात की। उन्होंने ट्वीट किया, विदेश मंत्रालय स्थिति की मिनट-दर-मिनट निगरानी कर रहा है और उसने संकट के इस समय में सभी को सभी आवश्यक सहायता का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि चूंकि यूक्रेन का हवाई क्षेत्र बंद है, इसकारण भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।

करोड़ों के घोटाले के बावजूद जर्जर हालत में एमसीडी का पूर्णिमासेठी अस्पताल

नई दिल्ली ।

आम आदमी पार्टी ने कालकाजी के पूर्णिमासेठी अस्पताल की जर्जज हालत की वीडियो दिखाते हुए साउथ दिल्ली के सांसद रमेश बिधीड़ी को चुनौती दी है कि वह साथ चलकर अस्पताल की वास्तविक हालत को देखें। 'आप' प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि अस्पताल के बेसमेंट में पानी भरा है, दीवारों में दरार है, सीमेंट निकल रही है, ऐसा लगता है इमारत कभी भी गिर सकती है। बीजेपी एमसीडी ने 9 करोड़ की लागत वाले अस्पताल में 60-70 करोड़ लगाया है। अस्पताल 2012 में बनकर तैयार होना था, लेकिन 2021 में तैयार हुआ, इमारत नई होने के बावजूद जर्जर हालत में है। वहीं साउथ एमसीडी के एलओपी प्रेम चौहान ने कहा कि बीजेपी एमसीडी बताए अस्पताल की सॉयल टेस्टिंग रिपोर्ट कहां है। मल्टीस्पेशलिस्ट अस्पताल होने के बावजूद दवाइयों के नाम पर सिर्फ पेरासिटेमोल दे रहा है। उन्हें शर्म आनी चाहिए। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित किया। दुर्गेश पाठक ने कहा कि आज हम आपके सामने भाजपा की एमसीडी के एक अस्पताल का वीडियो आपके सामने रख रहे हैं। आप वहां जाकर भी सत्यापित कर सकते हैं। यह वीडियो अस्पतालों के रखरखाव को लेकर बीजेपी की लापरवाही को दर्शाता है। कुछ दिन पहले ही हमने आपको नॉर्थ एमसीडी के एक अस्पताल के बारे में बताया कि अस्पताल की जर्जर हालत के बावजूद उसमें मरीजों का इलाज जारी है। कालकाजी के पास पूर्णिमा सेठी नाम का एक अस्पताल है। उसी से संबंधित एक वीडियो हम आपको दिखाने जा रहे हैं। उस अस्पताल के हालात तो साफ हो ही रहे हैं, उसके बाद हम आपको यह भी बताएंगे कि बीजेपी ने किस प्रकार उस अस्पताल के माध्यम से एक बड़ी लूट को अंजाम दिया है।

अस्पताल का वीडियो पेश करते हुए दुर्गेश पाठक ने कहा कि आप लोगों के साथ कुछ आंकड़ें साझा करना चाहूंगा। पूर्णिमा सेठी अस्पताल बीजेपी शासित एमसीडी के अंतर्गत आता है। 2007 में यह अस्पताल सैंक्शन हुआ। उस समय इसका रेट 9 करोड़ रुपए तय हुआ था। उन्होंने कहा कि यह अस्पताल 9 करोड़ में बनकर तैयार हो जाएगा। अस्पताल को 2012 में बनकर तैयार होना था लेकिन यह वास्तव में 2021 में बनकर तैयार हुआ। इतना ही नहीं, अस्पताल 9 करोड़ में बनकर तैयार होना था लेकिन बीजेपी ने इसे बनाने में 60-70 करोड़ लगा दिए। खुद एमसीडी के ऑडिकर ने बीजेपी से प्रश्न किया कि आपने जो भुगतान किया है, उसमें 4 करोड़ किसे दिए गए हैं, उसकी जानकारी दी जाए। मतलब 4 करोड़ किसे दिए गए इसकी जानकारी किसी को नहीं है। इस अस्पताल का बेसमेंट पूरी तरह से पानी से भरा हुआ है। 24 घंटे, 12 महीनें वहां पानी भरा रहता है। दीवारों की हालत खराब हो चुकी है। इमारत की हर दीवार पर दरारे पड़ रही हैं। इस अस्पताल के पास कोई एनओसी नहीं है और दवाईयों के नाम पर सिर्फ पेरासिटेमोल मिलती है। दिल्ली में ऐसे हालत हो गए हैं कि बीजेपी एमसीडी कैसे अस्पताल बनाना चाहती है, वास्तव में कैसे बना रही है और जनता को कैसे अस्पताल दिखा रही है।

गंगूबाई काठियावाड़ी कानून के दायरे के भीतर एक कलात्मक अभिव्यक्ति : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने बॉलीवुड फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' की रिलीज पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका को खारिज कर कहा कि प्रथम दृष्ट्या यह फिल्म कानून के दायरे के भीतर एक कलात्मक अभिव्यक्ति है। संजय लीला भंसाली की भंसाली प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित और आलिया अभिनीत फिल्म शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी और न्यायमूर्ति जे.के.माहेश्वरी की पीठ ने बाबूजी रावजी शाह की याचिका खारिज कर दी, जो गंगूबाई के दत्तक पुत्र होने का दावा करते हैं। यह फिल्म कथित तौर पर गंगूबाई के जीवन पर आधारित है। शाह ने बंबई हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय का रुख किया था, जिसने फिल्म पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था।शीर्ष अदालत ने याचिका खारिज की। शुक्रवार को अपलोड किए विस्तृत आदेश में कहा गया है किऐसी कोई सामग्री नहीं है, जो यह साबित कर सके कि याचिकाकर्ता परिवार का सदस्य या गंगूबाई का करीबी रिश्तेदार है। ऐसी कोई सामग्री नहीं है, जो यह साबित कर सके कि याचिकाकर्ता परिवार का सदस्य या गंगूबाई का करीबी रिश्तेदार है। ऐसी कोई सामग्री नहीं है, जो यह साबित कर सके कि याचिकाकर्ता परिवार का सदस्य या गंगूबाई का करीबी रिश्तेदार है। आदेश में कहा गया है, याचिकाकर्ता का तर्क यह है कि गंगूबाई की जिस कहानी को चित्रित किया गया है वह असत्य, अस्पष्ट और भौतिक विवरणों से रहित है। किसी भी मामले में, कहानी सही है या गलत, इसका फैसला जांच के बाद अदालत करेगी। आदेश में कहा गया है, सीबीएफसी द्वारा जारी किया गया फिल्म प्रमाण पत्र प्रथम दृष्ट्या दर्शाता है कि फिल्म मानहानिकारक नहीं है। प्रथम दृष्ट्या, ऐसा लगता है कि फिल्म कानून के मानकों के भीतर एक कलात्मक अभिव्यक्ति है।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन में हिमाचल प्रदेश के 130 से ज्यादा लोग फंसे हैं: सीएम जयराम

शिमला। सीएम जय राम ठाकुर ने केन्द्रीय विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर से रूस और यूक्रेन के मध्य संघर्ष के कारण यूक्रेन में फंसे प्रदेश के लोगों को सुरक्षित वापिस लाने के लिए आवश्यक उपाय करने का आग्रह किया। इस सम्बन्ध में केन्द्रीय विदेश मंत्री को लिखे पत्र में सीएम ने विदेश मंत्रालय के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रारम्भिक सूचना के अनुसार यक्रेन में हिमाचल प्रदेश के 130 से ज्यादा लोग फंसे हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार यूक्रेन में फंसे राज्य के लोगों की सुरक्षा के लिए चिंतित है। उन्होंने कहा कि इस सम्बन्ध में प्रदेश के मुख्य सचिव पहले से ही विदेश सचिव के सम्पर्क में हैं। सीएम जय राम ठाकुर ने मंत्रालय द्वारा यूक्रेन में फंसे भारतीयों की सहायता के लिए यूक्रेन के साथ-साथ नई दिल्ली में हेल्पलाइन स्थापित करने के लिए किए गए प्रयासों की भी सराहना की। प्रदेश सरकार ने यूक्रेन में फंसे विद्यार्थियों और अन्य लोगों के परिजनों से मुख्यमंत्री सेवा संकल्प हेल्पलाइन 1100 पर संपर्क करने के लिए कहा है। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि यूक्रेन में फंसे हिमाचल के नागरिकों को वापस लाने के लिए सरकार विदेश मंत्रालय के साथ निरंतर संपर्क में है। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद हिमाचल प्रदेश में भी हड़कंप मच गया है। हिमाचल प्रदेश के 130 से ज्यादा विद्यार्थी और अन्य लोग यूक्रेन में फंसे हुए हैं। यूक्रेन में फंसे ज्यादातर विद्यार्थी एमबीबीएस कर रहे हैं। यूक्रेन पर दागी गईं रूस की मिसाइलों के धमाकों के बाद से प्रदेश में विद्यार्थियों के अभिभावक चिंतित हैं। कोई फोन तो कोई व्हाट्सएप कॉल कर अपने बच्चों और वहां फंसे अपने परिवार वालों का हालचाल पूछ रहा है। ज्यादातर बच्चे यूनिवर्सिटी के हॉस्टलों में फंसे हैं। कुछ के शुक्रवार को भारत आने के हवाई टिकट कंफर्म हो चुके हैं, लेकिन उन्हें चिंता सता रही है कि वे समय पर सुरक्षित हवाई अड्डे पर पहुंच पाएंगे या नहीं। अभी तक की जानकारी के अनुसार ऊना के 26, मंडी के 23, हमीरपुर के 20, बिलासपुर के 18, सोलन के 16, कुल्लू के 8, चंबा के 7, कांगड़ा-सिरमौर के 3-3 और एक व्यक्ति शिमला का यूक्रेन में फंसा है।

दूरसंचार विभाग ने कहा, ट्राई से 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी से जुड़ी तैयारी तेजी से करे

नई दिल्ली । दूरसंचार विभाग ने दूरसंचार नियामक ट्राई से 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी से जुड़ी शर्तों के बारे में अनुशंसा देने की प्रक्रिया में तेजी लाने का अनुरोध कर कहा है, कि इस मार्च के पहले सौंपने पर विचार करें। विभाग ने भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के सचिव को लिखे पत्र में कहा है, कि 5जी स्पेक्ट्रम की दरों एवं शर्तों के बारे में अनुशंसा जल्द करे। दरअसल सरकार का साल 2022 15 अगस्त तक 5जी सेवाओं की शुरुआत करने का इरादा है। दूरसंचार विभाग 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी में जुटा हुआ है। इससे जुड़ी शर्तें एवं प्रावधान ट्राई की अनुशंसा मिलने के बाद ही अंतिम रूप से तय किए जा सकते हैं। इस नीलामी के दौरान 526-698 मेगाहट्र्ज और मिलीमीटर बैंड जैसी नई फ्रीक्वेंसी के लिए मानदंड तय किए जा रहे हैं। इसके अलावा 700 मेगाहट्र्ज, 800, 900, 1800, 2100, 2300, 2500 और 3300-3670 मेगाहट्र्ज बैंड के स्पेक्ट्रम के लिए भी बोली लगेगी। इस स्पेक्ट्रम नीलामी से जुड़े पक्षों के साथ विचार-विमर्श के लिए ट्राई ने हाल ही में एक चर्चा सत्र आयोजित किया था। इसके बाद वह अपनी अनुशंसाओं को अंतिम रूप देने में जुट गया है। दूरसंचार विभाग ने ट्राई से मार्च 2022 के पहले अपनी अनुशंसाएं सौंपने का अनुरोध करते हुए कहा है कि इसे जल्द-से-जल्द पूरा किया जाए।

बाल-बाल बचे उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, वाराणसी से जा रहे थे गाजीपुर

वाराणसी । जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की शुक्रवार को कार हादसे का शिकार हो गई। हादसे में मनोज सिन्हा बाल-बाल बच गए। वाराणसी के बाहरी इलाके में तब हुआ जब वहां अपनी कार से जा रहे थे। जानकारी के मुताबिक, उपराज्यपाल अपने गृहनगर गाजीपुर जा रहे थे, तभी उनकी कार का एक्सीडेंट हो गया। बताया जाता है, कि उनकी कार राजघाट पुल की ढलान पर अनियंत्रित होकर एक लोहे के खंभे से टकरा गई। इसमें कार का बायां हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। कार का टायर भी पंचर हो गया। हादसे की जानकारी मिलते ही पास में ही पेट्रोलिंग कर रही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई। इसके बाद में मनोज सिन्हा एक अन्य कार से अपने गृहनगर के लिए रवाना हो गए।

मुंबई सत्र न्यायालय ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को दी राहत, अगली सुनवाई 25 मार्च को

मुंबई, । मुंबई सत्र न्यायालय ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को राहत दी है. मझगांव मजिस्ट्रेट की अदालत ने अदालत के समक्ष पेश होने के लिए जारी समन के साथ मामले की सुनवाई स्थगित कर दी है. दरअसल मुंबई में एक भाजपा कार्यकर्ता द्वारा राष्ट्रगान के अपमान का आरोप लगाने वाली आपराधिक शिकायत के बाद, मजिस्ट्रेट अदालत ने 2 मार्च को ममता बनर्जी को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया था। ममता बनर्जी ने समन को वरिष्ठ वकील माजिद मेमन के जरिए मुंबई सत्र न्यायालय में चुनौती दी है। विशेष अदालत के न्यायाधीश राहुल रोकडे ने याचिका पर संज्ञान लेते हुए सुनवाई 25 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी। मुंबई के कफ परेड स्थित यशवंतराव चव्हाण सभागृह में 1 दिसंबर, 2021 को आयोजित आधिकारिक समारोह के अंत में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बैठ गईं और राष्ट्रगान गाना शुरू कर दिया। इसके बाद वह खड़ी हुईं और राष्ट्रगान की दो पंक्तियों के बाद ही कार्यक्रम से बाहर चली गईं। सोशल मीडिया पर क्लिप देखने के बाद, भारतीय जनता पार्टी के मुंबई सचिव विवेकानंद गुप्ता ने कफ परेड पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। हालांकि, पुलिस ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की, इसलिए उन्होंने शिवडी स्थित मझगांव मजिस्ट्रेट की अदालत में शिकायत दर्ज कराई। गुप्ता ने दावा किया कि ममता बनर्जी का कृत्य राष्ट्रगान का अपमान है और 1971 के राष्ट्रीय सम्मान रोकथाम अधिनियम के तहत दंडित किए जाने के योग्य हैं। मझगांव कोर्ट के मजिस्ट्रेट पी.आय.मोकाशी के समक्ष सुनवाई हुई। शिकायतकर्ताओं ने अदालत में सबूत के तौर पर डीवीडी, वीडियो क्लिप, यूट्यूब पर लिंक पेश किए। शिकायत की पड़ताल करने पर पहली नजर में लगता है कि आरोपी (ममता बनर्जी) ने कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रगान गाया ।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार की एक और किताब लगी

ACB के हाथ 35,हजार लेते हुये पकड़े गई

नायब इंजीनियर सहित अन्य दो लोंग

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के वराछा योगीचोक के पास स्वस्तिक प्लाजा शॉपिंग सेंटर मे आये अवध मोबाइल की दुकान के सामने से एसीबी ने डीजीवीसीएल के दो कर्मचारियों समेत तीन लोगों को 35 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए हुए रंगे हाथ पकड़ा । एसीबी में मीटर बाक्स दोबारा लगाने के लिए रिश्वत मांगने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। एसीबी ने कहा कि रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार तीनों लोगों से पूछताछ की जा रही है. 35 हजार रुपये की रिश्वत मांगी गई थी एन.पी.गोहिल (एसीपी, एसीबी सूरत) ने बताया की शिकायतकर्ता के कार्यालय का लाइट बिल नहीं भरने पर डीजीवीसीएल योगीचोक सब-डिविजन के अधिकारियों ने कार्यालय से मीटर बाक्स हटा दिया था। मीटर बॉक्स फिर से लगाने और चालू करने के लिए बिजली कंपनी के नायब इंजिनियर सहित इलेक्ट्रिक आसिस्टंट ने 35 हजार रुपये की रिश्वत मांगने की शिकायत मिली थी। सुपरविजन ऑफिसर एन.पी.गोहिल, सहायक निदेशक, ACB,सूरत यूनिट ने ऑपरेशन को अंजाम दिया।

गिरफ्तार आरोपी

1.मितेश कुमार हरिश्चंद्र पस्तागिया, नायब इंजिनियर, वर्ग-1, सब-डिविजन, योगीचोक, डीजीवीसीएल, वराछा सूरत

2.योगेशभाई लिमजीभाई पटेल, इलेक्ट्रिक आसिस्टंट, वर्ग -3, सब-डिविजन, योगीचोक, वराछा

3.विजयभाई भीखाभाई परमार (निजी व्यक्ति) सूरत मे रहते है

सबूत जुटाए गए

शिकायत के आधार पर एसीबी ने जानबूझकर बात करने के साक्ष्य रिकार्डिंग कर जाल बिछाया और 24 तारीख को रिश्वत लेने के आरोप में तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने रिश्वत की राशि बरामद कर आगे की जांच शुरूकर दी है।

फोस्टा पदाधिकारियों के द्वारा ट्राफिक समस्या को लेकर ACP श्री बी.एन.दवे के साथ मोतीबेगमवाडी एवं रिंगरोड़ की बारे में क चर्चा किया

कमर पर डायनामाइट बांधकर पति ने पत्नी को जकड़ा, विस्फोट में दोनों की मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अरवल्ली,उत्तर गुजरात के अरवल्ली से दर्दनाक और हैरान कर देनेवाली घटना सामने आई है। जिसमें एक शख्स ने अपनी कमर पर डायनामाइट बांधकर पत्नी को जकड़ लिया और ब्लास्ट कर दिया। जिसमें पति और पत्नी की मौत हो गई। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर एफएसएल की मदद से मामले की जांच शुरू की है। घटना अरवल्ली जिले के बीटी छापरा गांव की है। बीटी छापरा गांव की शारदा पगी की शादी मुलोज के डेरा डुंगरी गांव निवासी लाला के साथ हुई थी। 20 साल के वैवाहिक जीवन में दंपत्ति को 20 वर्ष का एक बेटा भी है। शारदा अपने मायके बीटी छाप गांव आई थी। जहां गुरुवार की देर रात उसका पति लाला कमर में डायनामाइट बांधकर पहुंच गया। जहां लाला ने शारदा को घर से बाहर बुलाया। शारदा के आते ही लाला उससे लिपट गया और ब्लास्ट कर दिया। ब्लास्ट होते ही दोनों के चीथड़े उड़ गए। संदिग्ध धमाके के बाद आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंच गए और वहां का नजारा देख चौंक उठे। पत्नी की हत्या के लिए एक पति द्वारा एक्सप्लोजिव डिवाइस का उपयोग करने से पुलिस भी चौंक उठी। खबर मिलते ही अरवल्ली जिला पुलिस अधीक्षक संजय खरात और पुलिस उपाधीक्षक भरत बसिया समेत पुलिस काफिला घटनास्थल पर पहुंच गया और कानूनी कार्यवाही शुरूकर दी।

बिना फायर एनओसी वाले स्कूलों में आग लगने की स्थिति में संचालक-आचार्य जिम्मेदार

फायर एनओसी नहीं होने पर स्कूल का उपयोग नहीं किया जाएगा। साथ ही बिना फायर एनओसी के स्कूल में आग लगने सहित कोई भी घटना होने पर संचालक व आचार्य जिम्मेदार होंगे। यह सर्कुलर जिला शिक्षा अधिकारी की ओर से स्कूलों को जारी किया गया है. जिसमे बताया गया है की हाई कोर्ट के मुताबिक ९ मीटर से ज्यादा ऊंचाई और ५०० वर्ग मीटर से ज्यादा एरिया वाले स्कूलों को फायर एनओसी लेना जरूरी है. फिर भी कई सरकारी, ग्रांटेड और गैर-ग्रांटेड के साथ-साथ उच्च माध्यमिक विद्यालयों ने अग्नि सुरक्षा एनओसी प्राप्त नहीं की है। तो उन स्कूलों को इसे तत्काल प्राप्त करना होगा। जिला शिक्षा अधिकारी ने शिक्षा निरीक्षकों को स्कूलों की फायर एनओसी तुरंत जांचने के निर्देश दिए हैं.

दो वर्ष बाद जूनागढ़ में महाशिवरात्रि मेला का शुभारंभ, श्रद्धालुओं के लिए बसें बढ़ाई गई

जूनागढ़,दो साल बाद जूनागढ की भवनाथ तलहटी में महाशिवरात्रि के मेला का आज से प्रारंभ हो गया। आज सुबह भवनाथ मंदिर में ध्वज पूजन और महादेव की पूजा अर्चना के साथ भवनाथ महादेव को ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर जय भवनाथ, जय गिरनारी और हर हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा। वैश्विक महामारी कोरोना के कारण जूनागढ़ के भवनाथ तलहटी में दो साल महाशिवरात्रि पर मेला पर रोक रही। गुजरात में कोरोना संक्रमण नियंत्रण में आने के बाद राज्य सरकार ने इस वर्ष महाशिवरात्रि के मेला को मंजूरी प्रदान कर दी है। राज्य सरकार से मेला को मंजूरी मिलने से श्रद्धालुओं में खुशी की लहर दौड़ गई। भवनाथ की तलहटी में आज विधिवत पूजा-अर्चना और ध्वजारोहण के साथ महाशिवरात्रि के मेला का शुभारंभ हो गया। भवनाथ तलहटी स्थित विभिन्न अखाड़ों, भारती आश्रम, इंद्रभारती बापू आश्रम और विभिन्न मंदिरों पर धर्म की ध्वजा चढ़ाई गई। भजन, भोजन और भक्ति के त्रिवेणी संगम रूपी महाशिवरात्रि के मेला में जूनागढ़ प्रशासन और पर्यटन विभाग की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 26, 27 और 28 फरवरी की शाम 6.30 बजे से नामी-अनामी कलाकार भजन, लोक साहित्य और हास्य रस श्रद्धालुओं के समक्ष परोसेंगे। महाशिवरात्रि के मेला पर भवनाथ क्षेत्र के आश्रम, मंदिर, मठ, विभिन्न समाज की धर्मशालाएं रंग बिरंगी रोशनी से जगमगाने लगी हैं। महाशिवरात्रि मेला पर लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं का जमावडा लगता है। दो साल बाद शुरूहुए महाशिवरात्रि मेला पर इस वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने के संभावनाओं को देखते हुए प्रशासन की ओर से पर्याप्त व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए 13 समितियों का गठन किया गया है। जिसमें मुख्य संकलन समिति, मेला स्थल आयोजन समिति, सार्वजनिक सुरक्षा एवं यातायात नियंत्रण समिति, इलेक्ट्रिक लाइट और साउंड समिति, आमंत्रण-स्वागत एवं प्रोटोकोल समिति, सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति, जल आपूर्ति समिति, सफाई एवं ड्रेनेज समिति, स्वास्थ्य एवं आकस्मिक उपचार समिति, सूचना एवं प्रचार प्रसार समिति, प्रकाशन समिति, आवश्यक चीज वस्तु सुविधा समिति, डिजास्ट्र मैनेजमेंट समिति का गठन किया गया है। प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए बसों की विशेष व्यवस्था की है। जूनागढ़ बस स्टेन्ड से भवनाथ तलहटी तक 50 मिनी बसें लगाई गई हैं। जिसमें यात्री केवल 20 रुपए किराया देकर जूनागढ़ बस स्टेन्ड से भवनाथ तलहटी पहुंच सकेंगे। इसके अलावा राजकोट, मोरबी, जामनगर, द्वारका, खंभालिया, जाम जोधपुर, पोरबंदर, सोमनाथ, ऊना, महुवा और भावनगर इत्यादि शहरों से जूनागढ़ तक 300 जितनी बसें श्रद्धालुओं के लिए चलाई जाएंगी। महाशिवरात्रि मेला में सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं। मेला में डीवायएसपी, पीआई, पीएसआई, होमगार्ड, जीआरडी जवान समेत कुल 2800 जितने पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे।